WWW.Kanchanujala.in

हिन्दी दैनिक

kanchanujala14@gmail.com

कंचन उजाला

लखनऊ से प्रकाशित

सच्चाई के साथ

वर्षः 01 अंक : 253 | लखनऊ, बुधवार, 02 सितम्बर, 2020 | पृष्ठ- 6 | मूल्य - 1 रुपये

कौन हैं करीना कपूर के फेवरेट को-स्टार, शूटिंग करते हुए बताया

कोरोना देश में

मृत्यु दर में 0.22 प्रतिशत की गिरावट, 1.77 प्रतिशत पर पहुंची

टॉप- 7 राज्यों में यह 2 प्रतिशत से भी कम, देश में अब तक 36.94 लाख केस

नयी दिल्ली, एजेंसी। देश में कोरोना मरीजों की संख्या 36 लाख 94 हजार 878 हो गई है। राहत की बात यह है कि इनमें 28 लाख 40 हजार 40 लोग ठीक भी हो चुके हैं जबकि 7 लाख 88 हजार 781 मरीजों का अभी इलाज चल रहा है। संक्रमण के चलते अब तक 65 हजार 469 लोगों की मौत हो चुकी है। देश में मरने वालों की संख्या भले ही बढ़ रही हो लेकिन संक्रमित फैलने के मुकाबले मृत्यु दर में लगातार गिरावट हो रही है। देश में मृत्यु दर अब 1.77त्न हो गई है। इसमें तीन दिनों के अंदर 0.22 प्रतिशत की कमी देखी गई है। राज्यों के आंकड़ों के अनुसार, मृत्यु दर देखें तो महाराष्ट्र में सबसे ज्यादा 3.1 प्रतिशत है। इसके अलावा

संक्रमण के टॉप-10 राज्यों में सात राज्य भी ऐसे हैं जहां 2त्न से कम मृत्यु दर है। इनमें तमिलनाडु, कर्नाटक, उत्तर प्रदेश, आंध्र प्रदेश, तेलंगाना, बिहार और असम शामिल हैं। संक्रमितों के आंकड़ों में बीते छह दिन में और मौत के आंकड़ों में बीते 28 दिन की सबसे बड़ी गिरावट है। इससे पहले 25 अगस्त को 66 हजार 873 केस आए थे, जबकि 3 अगस्त को 806 संक्रमितों की मौत हुई थी। दिल्ली हाईकोर्ट की पांच बेंचों ने मंगलवार को बारी-बारी से खुली अदालत में सुनवाई शुरू कर दी। कोरोना महामारी के कारण सुप्रीम कोर्ट ने 6 अप्रैल को देशभर की अदालतों में वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग से सुनवाई करने का आदेश दिया था। दिल्ली में तीसरे सीरो सर्वे की मंगलवार से शुरुआत हो गई। इस बार यह हर वार्ड में किया जाएगा। इसमें 17 हजार सैम्पल लिए जाएंगे। यह काम एक हफ्ते में पूरा हो जाएगा। इसके बाद पूरी प्रक्रिया होने में सात से दस दिन और लगेंगे। दिल्ली के स्वास्थ्य मंत्री सत्येंद्र जैन ने यह जानकारी दी है। असम के पूर्व मुख्यमंत्री तरुण गोगोई की हालत गंभीर हो गई है। वे कोरोना से संक्रमित हैं। सोमवार की रात अचानक ऑक्सीजन लेवल कम होने पर उन्हें जीएमसीएच अस्पताल में भर्ती कर दिया गया। राज्य के स्वास्थ्य मंत्री ने बताया कि डॉक्टर्स ने उन्हें एक यूनिट प्लाज्मा और ऑक्सीजन सपोर्ट पर रखने का फैसला लिया है। पंजाब सरकार ने सितंबर के आखिरी हफ्ते तक लॉकडाउन के प्रतिबंधों को जारी रखने का फैसला लिया है। शाम 7 से सुबह 5 बजे तक शहरी इलाकों में कर्फ्यू भी जारी रहेगा। इसके अलावा 167 म्युनिसिपल टाउन में वीकेंड लॉकडाउन भी जारी रहेगा। तमिलनाडु का मीनाक्षी अम्मन मंदिर भी 165 दिन बाद भक्तों के लिए खोल दिया गया है। यहां कोरोना गाइडलाइन का सख्ती से पालन किया जा रहा है।

यूपी में हुक्का बार पर हाईकोर्ट की रोक

रेस्टोरेंट और कैफे में अनुमति न देने का निर्देश

प्रयागराज, संवाददाता। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने प्रदेश में हुक्का बार पर रोक लगा दी है। कोर्ट ने मुख्य सचिव को आदेश दिया है कि वह किसी भी रेस्टोरेंट व कैफे में हुक्का बार चलाने की अनुमति न दी जाए। साथ ही उनसे 30 सितंबर तक इस आदेश के अनुपालन की रिपोर्ट मांगी है। कोर्ट ने महानिबंधक को आदेश की प्रति मुख्य सचिव व प्रदेश के सभी

कोर्ट ने कहा कि प्रदेश में कोरोना संक्रमण तेजी से फैल रहा है, कोरोना संक्रमितों की संख्या प्रतिदिन बढ़ रही है

डीएम को अनुपालन के लिए भेजने का निर्देश दिया है।

यह आदेश न्यायमूर्ति शशिकांत गुप्ता एवं न्यायमूर्ति शमीम अहमद की खंडपीठ ने लखनऊ विश्वविद्यालय के विधि छात्र हरगोविंद पांडेय के पत्र पर कायम जनहित याचिका की सुनवाई करते हुए दिया है। कोर्ट ने अधिवक्ता विनायक मित्तल को इस मामले में एमिकस क्यूरी नियुक्त किया

है। कोर्ट ने कहा कि प्रदेश में कोरोना संक्रमण तेजी से फैल रहा है। कोरोना संक्रमितों की संख्या प्रतिदिन बढ़ रही है। हाईकोर्ट ने इसके फैलाव को रोकने के लिए मुख्य सचिव को रोड मैप तैयार करने का निर्देश दिया है और टिप्पणी भी की कि बिना लॉकडाउन के कोई मदद नहीं मिलने वाली। कोर्ट ने कहा कि लॉकडाउन के बावजूद कोरोना जंगल की आग की तरह फैलता जा रहा है। यह मानव जीवन के अस्तित्व के लिए खतरा बन गया है। हम घने अंधेरे जंगल के बीच खड़े हैं। कल क्या होगा, इसका पता नहीं है। यदि रेस्टोरेंट व कैफे में हुक्का बार पर प्रतिबंध नहीं लगाया गया तो यह सामुदायिक संक्रमण का रूप ले लेगा। विधि छात्र ने अधिकारियों को पत्र लिखा लेकिन कोई कार्रवाई नहीं की गई। कोर्ट ने भी मुख्य सचिव को कारण बताओ नोटिस जारी किया कि क्यों न याचिका स्वीकार कर ली जाए लेकिन कोई जवाब नहीं दाखिल किया गया। इस पर कोर्ट ने हुक्का बार की अनुमति न देने का समादेश जारी कर इसका पालन करने का निर्देश दिया है।

राजनाथ ने बैठक कर पूर्वी लद्दाख में स्थिति की समीक्षा की

नयी दिल्ली, एजेंसी। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने पूर्वी लद्दाख में वास्तविक नियंत्रण रेखा पर ताजा घटनाक्रम के मद्देनजर आज यहां एक उच्च स्तरीय बैठक में मौजूदा हालात की समीक्षा की। सूत्रों के अनुसार श्री सिंह ने सैन्य प्रमुखों और राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़े अधिकारियों के साथ वास्तविक नियंत्रण रेखा की ताजा स्थिति पर बातचीत की और भविष्य की योजना पर भी चर्चा की। सूत्रों ने बताया कि बैठक में सेना प्रमुख जनरल मनोज मुकुंद नरवणे ने रक्षा मंत्री को 29 और 30 अगस्त की दरम्यानी रात पेगांग झील के दक्षिणी किनारे पर चीनी सेना की हरकतों की जानकारी दी। रक्षा मंत्रालय ने सोमवार को एक वक्तव्य जारी कर कहा था कि चीन के सैनिकों ने पूर्वी लद्दाख में एक बार फिर नापाक हरकत करते हुए 29 और 30 अगस्त की रात दोनों देशों के बीच बनी सहमति का उल्लंघन कर यथास्थिति को बदलने की कोशिश की जिसका भारतीय सैनिकों ने करारा जवाब दिया और विफल कर दिया है। सेना प्रमुख ने इस मुद्दे पर चीन के साथ कमांडर स्तर पर हो रही बातचीत के बारे में भी जानकारी दी। उल्लेखनीय है कि ताजा घटनाक्रम के कारण दोनों देशों की सेनाओं के बीच पिछले तीन महीने से भी अधिक समय से चले आ रहे गतिरोध के लंबे खिंचने की आशंका है क्योंकि इससे सीमा पर एक बार फिर तनाव बढ गया है और दोनों देशों की सेना अपना जमावड़ा बढाने में लगी है।

पूर्व वित्त सचिव राजीव कुमार ने नए चुनाव आयुक्त का पदभार संभाला

नई दिल्ली, एजेंसी। पूर्व वित्त सचिव और रिटायर्ड आईएएस अधिकारी राजीव कुमार ने मंगलवार को चुनाव आयुक्त के रूप में पद्भार ग्रहण किया। वो पैनल में शामिल होने वाले तीसरे सदस्य है। मुख्य चुनाव आयुक्त सुनील अरोड़ा हैं और चुनाव आयुक्त सुशील चंद्रा पैनल में मौजूद हैं। केंद्रीय कानून एवं न्याय मंत्रालय ने 21 अगस्त को राजीव कुमार को इस पद पर नियुक्ति की मंजूरी दी। इससे पहले चुनाव आयुक्त अशोक लवासा ने अपने पद से इस्तीफा दे दिया था। वो एशियन डवलपमेंट बैंक में उपाध्यक्ष के रूप में पदभार ग्रहण करेंगे। भारतीय शास्त्रीय और भक्ति संगीत में रूचि रखने वाले झारखंड कैडर के 1984 बैच के आईएएस अधिकारी राजीव कुमार ने मुख्य चुनाव आयुक्त सुनील अरोड़ा और चुनाव आयुक्त सुशील चंद्रा के समक्ष पदभार ग्रहण किया।

प्रणब दा पंचतत्व में विलीन

नयी दिल्ली, एजेंसी। पूर्व राष्ट्रपति भारत रत्न प्रणब मुखर्जी का मंगलवार दोपहर पूरे राजकीय सम्मान के साथ लोधी रोड श्मशान घाट पर अंतिम संस्कार कर दिया। चौरासी वर्ष के श्री मुखर्जी का सोमवार शाम सैन्य अस्पताल में निधन हो गया था। उन्हें दस अगस्त को नयी दिल्ली स्थित आरएंडआर अस्पताल में भर्ती कराया गया था जहां उनका मस्तिष्क में खून का थक्का हटाने के लिए आपरेशन किया गया । पूर्व राष्ट्रपति कोरोना संक्रमित भी थे। श्री मुखर्जी के कोरोना पॉजिटिव होने से अंतिम संस्कार में वैश्विक महामारी के तहत सभी एहतियात निर्देशों का पूरा पालन किया गया। इस कारण पूर्व राष्ट्रपति के अंतिम संस्कार में कम लोग ही शामिल हुए। श्री मुखर्जी के पुत्र अभिजीत मुखर्जी ने श्मशानघाट पर गमगीन माहौल के बीच अपने पिता की चिता को मुखाग्नि दी और ऊंची ऊंची आग की लपटों के बीच प्रणब दा पंचतत्व में विलीन हो गए। इससे पहले देश के 13 वें राष्ट्रपति रहे श्री मुखर्जी के पार्थिव शरीर को सुबह अस्पताल से उनके सरकारी निवास 10, राजाजी मार्ग लाया गया। उनके सम्मान में सात दिन के राजकीय शोक की घोषणा की गई है। राष्ट्रपति राम नाथ कोविंद , उपराष्ट्रपति एम वेंकैया नायडू, लोकसभा अध्यक्ष. ओम बिरला, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी,रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह,भारतीय जनता पार्टी अध्यक्ष जगत प्रकाश नड्डा, कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी समेत बड़ी संख्या में विभिन्न पार्टियों के नेताओं ने 10 राजाजी मार्ग जाकर प्रणब दा को श्रद्धांजलि दी। पूर्व पीएम मनमोहन सिंह, केंद्रीय मंत्री हर्षवर्धन,सीडीएस बिपिन रावत, कांग्रेस नेता अधीर रंजन चौधरी, शशि थरूर, भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी के महासचिव डी. राजा, दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल और कई अन्य नेताओं ने भी दिवंगत राष्ट्रपति को श्रद्धांजलि दी। श्री मुखर्जी 2012 से 2017 तक देश के सर्वोच्च पर रहे। इससे पहले सक्रिय राजनीति के दौरान वह केंद्र में विदेश,वित्त और उद्योग मंत्री जैसे प्रमुख मंत्रालयों के अलावा अन्य प्रतिष्ठ पदों पर भी रहे। उन्हें 2019 में भारत रत्न और 2008 में पद्म विभूषण से सम्मानित किया गया था।

केरल में कांग्रेस कार्यालय पर बम हमला

कोझिकोड, एजेंसी। केरल में कोझिकोड के नदपुरम के समीप कल्लाची में कांग्रेस के मंडलम समिति कार्यालय पर बम फेंका गया हालांकि इसमें किसी के हताहत होने की रिपोर्ट नहीं है। पुलिस ने मंगलवार को बताया कि कांग्रेस नेताओं ने आरोप लगाया है कि मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी (माकपा) के समर्थकों ने उनके कार्यालय पर बम फेंका है। कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने हमले के लिए जिम्मेदार माकपा कार्यकर्ताओं को तुरंत गिरफ्तार करने की मांग करते हुये कल्लाची में धरना दिया। पुलिस ने मंगलवार को बताया कि घटना सोमवार रात की है। बम फेंके जाने से इमारत का कांच से निर्मित हिस्सा क्षतिग्रस्त हो गया है। फॉरेंसिक विशेषज्ञों ने मौके पर पहुंचकर सबूत एकत्रित किये हैं। हमलावरों का पता लगाने के लिये इलाके के सीसीटीवी फुटेज की छानबीन की जाएगी।

राहुल गांधी का मोदी सरकार पर वार, कहा-

युवाओं को नौकरी चाहिए,नारे नहीं

नई दिल्ली, एजेंसी। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने मंगलवार को मोदी सरकार पर तीखा हमला बोलते हुए कहा कि देश के युवा नौकरी चाहते हैं, खाली नारे नहीं। राहुल गांधी ने सरकार पर यह हमला जेईई-नीट की परीक्षाओं और एसएससी की परीक्षा के मुद्दे पर बोला। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने मोदी सरकार पर भारत के भविष्य को खतरे में डालने का आरोप लगाया। राहुल गांधी ने लिखा, मोदी सरकार भारत के भविष्य को खतरे में डाल रही है। अहंकार उन्हें जेईई-नीट उम्मीदवारों की वास्तविक चिंताओं के साथ-साथ एसएससी और अन्य परीक्षा देने वालों की मांगों की अनदेखी करवा रहा है। कांग्रेस नेता ने आगे कहा कि नौकरी दो, खाली नारे नहीं। मालूम हो कि विपक्ष और बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं सरकार से कोविड-19 के प्रसार और कुछ राज्यों में बाढ़ की स्थिति को देखते हुए जेईई मेन्स और मेडिकल प्रवेश परीक्षा नीट के आयोजन को स्थगित करने की मांग कर रहे थे। हालांकि, सरकार ने परीक्षाओं को कराने का फैसला लिया, जिसके बाद मंगलवार से जेईई मेन्स की परीक्षा का आयोजन शुरू हो गया। वहीं, इससे पहले राहुल गांधी ने जीडीपी विकास दर में भारी गिरावट को लेकर मंगलवार को सरकार पर निशाना साधा और दावा किया कि अर्थव्यवस्था की बर्बादी नोटबंदी से शुरू हुई थी और उसके बाद से एक के बाद एक गलत नीतियां अपनाई गईं। कांग्रेस नेता ने ट्वीट किया, जीडीपी -23.9 प्रतिशत हो गई। देश की अर्थव्यवस्था की बर्बादी नोटबंदी से शुरू हुई थी। तब से सरकार ने एक के बाद एक ग़लत नीतियों की लाइन लगा दी। इसके अलावा, कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा ने आरोप लगाया कि सरकार ने देश की अर्थव्यवस्था डुबो दी।

एलओसी से हथियार और गोला बारूद बरामद

जम्मू, एजेंसी। भारतीय सेना ने बारामुल्ला के रामपुर सेक्टर के एलओसी से सटे हथालंगा इलाके में आतंकी ठिकाना ध्वस्त कर भारी मात्रा में हथियार व गोलाबारूद बरामद किए हैं। हथियारों की तादाद देख यह बात स्पष्ट होती है कि पाकिस्तान की मदद से कश्मीर में सक्रिय आतंकवादी आने वाले दिनों में किसी बड़े हमले की योजना बना रहे थे। भारतीय सेना की चिनार कोर रेजिमेंट ने इन हथियारों के साथ सेटेलाइट के जरिए ली गई तस्वीरों को भी सार्वजनिक किया है, जिसमें यह साफ-साफ दिखाई दे रहा है कि पाकिस्तान की ओर से आतंकी भारतीय इलाके में घुसने का प्रयास कर रहे हैं। सेनाधिकारियों ने बताया कि बारामुल्ला जिले के रामपुर सेक्टर में रविवार को सीमा पर संदिग्ध हलचल देखी गई थी। इस दौरान संदिग्धों ने घुसपैठ की नापाक हरकत की। इसके बाद सर्विलांस ग्रिड को सक्रिय किया गया।

दिल्ली में कोरोना रिकवरी दर में फिर से गिरावट

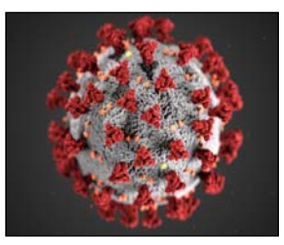

नयी दिल्ली, एजेंसी। राजधानी दिल्ली में कोरोना वायरस (कोविड-19) मामलों में मंगलवार को भी उतार-चढाव जारी रहा तथा स्वस्थ होने वालों की तुलना में नये मामलों की संख्या बढ़ने से रिकवरी दर आंशिक गिरावट के साथ 88.5 फीसदी पर आ गयी। दिल्ली सरकार के स्वास्थ्य मंत्रालय के अनुसार इस दौरान कोरोना वायरस (कोविड-19) के 2,312 नये मामले सामने आये जबकि 1,050 मरीज स्वस्थ हुए। राजधानी में कुल संक्रमितों का आंकड़ा आज बढ़कर 1,77,060 पहुंच गया। इस दौरान कोरोना वायरस को मात देने वालों का कुल आंकड़ा 1,56,728 हो गया। देश में दिल्ली का स्थान सर्वाधिक रिकवरी दर वाले राज्यों में है लेकिन चिंता की बात यह है कि आज फिर से स्वस्थ होने वालों की तुलना में नये मामलों की संख्या अधिक हो गयी। इससे रिकवरी दर कल के 89.08 प्रतिशत से घटकर आज 88.51 फीसदी हो गई। राजधानी में एक समय रिकवरी दर 90 फीसदी से अधिक हो गयी थी। राजधानी में कोरोना वायरस संक्रमण से आज 18 और मरीजों की जान चली गयी इसे मिलाकर यह जानलेवा वायरस से अब तक 4,462 लोगों को लील चुका है। सक्रिय मामलों में आज 1,244 की वृद्धि भी चिंता का प्रमुख कारण है। राजधानी में सक्रिय मामले गत दिवस के 14,626 से बढ़कर आज 15,870 रह गये। राजधानी में कंटेनमेंट जोन में फिर से वृद्धि भी चिंता का कारण बनी हुई है। आज कंटेनमेंट जोन 13 और बढ़कर 846 हो गये जो सोमवार को 833 थे। पिछले 24 घंटों में कोरोना जांच संख्या 24,198 रही। होम आइसोलेशन में 8119 और अस्पतालों में 4186 तथा शेष अन्य कोविड केंद्रों में मरीज हैं। राजधानी में प्रति दस लाख में 84 हजार से अधिक 84,615 जांच हुई हैं और अब तक कुल 16 लाख से अधिक कोरोना जांच हो चुकी है।

राष्ट्रपति, उपराष्ट्रपति, प्रधानमंत्री ने प्रणव मुखर्जी को श्रद्धांजलि दी

नयी दिल्ली, एजेंसी। राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद, उपराष्ट्रपति एम वेंकैया नायडू, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने पूर्व राष्ट्रपति प्रणव मुखर्जी के निवास पर जाकर उन्हें श्रद्धा सुमन अर्पित किये। पूर्व राष्ट्रपति के 10 राजाजी मार्ग स्थित निवास पर सबसे पहले रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, चीफ ऑफ डिफेंस और तीनों सेनाओं के प्रमुखों ने पहुंच कर भारत रत्न श्री मुखर्जी के चित्र पर पुष्पचक्र चढ़ाकर श्रद्धांजलि दी। इसके बाद लोकसभा अध्यक्ष श्री बिरला ने दिवंगत नेता को श्रद्धा सुमन अर्पित किये। बाद में प्रधानमंत्री श्री मोदी, उपराष्ट्रपति श्री नायडु और राष्ट्रपति श्री कोविंद ने भी पुष्पचक्र के साथ भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की। पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरसंघचालक मोहन भागवत, भारतीय जनता पार्टी के अध्यक्ष जगत प्रकाश नड्डा, कांग्रेस नेता राहुल गांधी और गुलाम नबी आज़ाद, दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल, भाजपा के नेता एवं पूर्व केन्द्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने भी 10 राजाजी मार्ग पहुंच कर पूर्व राष्ट्रपति को श्रद्धासुमन अर्पित किये। चूंकि श्री मुखर्जी कोविड 19 से संक्रमित थे इसलिए उनके पार्थिव शरीर को अलग रखा गया था और सभी विभूतियों ने उनके चित्र पर पुष्पाजंलि अर्पित की। इस मौके पर वहां शारीरिक दूरी एवं कोविड 19 संबंधी अन्य सावधानियां बरतीं गयीं। सैन्य अस्पताल में 21 दिनों तक भर्ती रहने के बाद श्री मुखर्जी का सोमवार शाम को निधन हो गया था। उनका पार्थिव शरीर आज सुबह अस्पताल से उनके निवास पर लाया गया। उनका अंतिम संस्कार पूर्ण सैनिक सम्मान के साथ आज दोपहर बाद लोदी रोड स्थित श्मशान में किया जाएगा। श्री मुखर्जी के निधन पर देश में सात दिन के राजकीय शोक की घोषणा की गयी है।

जुलाई के मुकाबले अगस्त महीने में जीएसटी कलेक्शन में आई 1 फीसदी की गिरावट

नई दिल्ली, एजेंसी। अगस्त के महीने में वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) के संग्रह में 1 फीसदी की कमी आई है और यह 86,449 करोड़ रुपये रहा जो एक महीने पहले जुलाई में 87,422 करोड़ रुपये के संग्रह से कम है। जबकि, कोरोना महामारी और लॉकडाउन के चलते अर्थव्यवस्था पर असर के बाद इस साल अगस्त में राजस्व में 13 फीसदी की सालाना कमी देखी गई। केन्द्रीय वित्त मंत्रालय ने मंगलवार को एक बयान में कहा, इस साल अगस्त में राजस्व संग्रह पिछले साल के इसी महीने के मुकाबले सिर्फ 88 फीसदी हो पाया। पिछले साल जीएसटी संग्रह 98,202 करोड़ रुपये था। वित्त मंत्रालय ने कहा कि यह गिरावट इसलिए भी है क्योंकि छोटे व्यावसायियों ने ने मासिक रिटर्न नहीं भरा है। बयान में कहा गया, यह भी गौर किया गया है कि 5 करोड़ से कम के आय करदाता सितंबर तक रिटर्न फाइल में छूट का फायदा उठा रहे हैं। इसमें कहा गया कि, पिछले साल के अगस्त महीने के मुकाबले इस साल उसी अवधि के दौरान आयातित वस्तुओं से राजस्व 77 फीसदी आया जबकि घरेलू लेन-देन (आयातित सेवाएं भी शामिल) से राजस्व 92 फीसदी आया। वित्त मंत्रालय ने आगे कहा, अगस्त 2020 में सकल औसत राजस्व 86,449 में से केन्द्रीय जीएसटी (सीजीएसटी) का हिस्सा 15,906, राज्य जीएसटी (एसजीएसटी) 21,064, एकीकृत जीएसटी 42,264 करोड़ (जिनमें आयातित वस्तुओं पर 19,179 करोड़ संग्रह) और सेस 7,215 करोड़ है। सरकार ने सीजीएसटी को 18,216 करोड़ रुपये और आईजीएसटी से एसजीएसटी को 14,650 करोड़ रुपये नियमित निपटान के रूप में दिए हैं। बयान में कहा गया, केंद्र सरकार और राज्य सरकारों द्वारा अगस्त, 2020 में नियमित निपटान के बाद अर्जित कुल राजस्व, के लिए 34,122 करोड़ रुपये और के लिए 35,714 करोड़ रुपये है।

तेजप्रताप के किसी भी बगावती तेवर को रोकने में जुटा राजद

पटना, एजेंसी। चुनाव आयोग ने इस साल होने वाले बिहार विधानसभा चुनाव को लेकर भले ही अब तक तारीख की घोषणा नहीं की है, लेकिन बिहार में राजनीतिक सरगर्मी काफी बढ़ गई है। इस बीच, राज्य का प्रमुख विपक्षी दल लोकसभा चुनाव से सबक लेते हुए किसी भी तरह से पार्टी में विरोध को लेकर सजग दिख रहा है। खासकर, पूर्व स्वास्थ्य मंत्री तेजप्रताप यादव के अपने समर्थकों को टिकट की मांग को लेकर पार्टी किसी तरह के रिस्क लेने के मूड में नहीं है। पिछले साल हुए लोकसभा चुनाव में तेजप्रताप ने तीन क्षेत्रों में अपने समर्थकों को टिकट नहीं दिए जाने के बाद उन्हें बतौर निर्दलीय चुनावी मैदान में उतार दिया था। इस चुनाव में पार्टी इस प्रकार के किसी भी स्थिति से बचना चाह रही है। राजद सूत्रों का कहना है कि तेजप्रताप इस चुनाव में महुआ की बजाय समस्तीपुर के हसनपुर सीट से चुनाव लड़ना चाहते हैं। कहा जा रहा है कि पिछले सप्ताह तेजप्रताप ने इसके लिए रांची जाकर अपने पिता लालू प्रसाद से भी मुलाकात की थी और अपनी स्थिति स्पष्ट की है। इधर, राजद के सूत्र कहते हैं कि तेजप्रताप अपने चार समर्थकों के लिए भी पार्टी से शिवहर, जहानाबाद, काराकाट और हरनौत से टिकट की मांग कर रहे है। सूत्रों का कहना है कि तेजप्रताप ने इस मामले को लेकर भी अपने पिताजी से बात भी है। हालांकि लालू प्रसाद ने तेजप्रताप की इन मांगों पर क्या कहा, इसका पता नहीं चल पाया है। लालू प्रसाद के दूसरे पुत्र और राज्य के पूर्व उपमुख्यमंत्री तेजस्वी यादव इस साल होने वाले विधानसभा चुनाव में पार्टी में किसी प्रकार के विवाद से बचना चाह रहे हैं। कहा जा रहा है कि शनिवार को तेजस्वी ने तेजप्रताप के घर पहुंचकर रात्रि में खाना खाया और कई मुद्दों पर बातचीत की।

ऐतिहासिकता को स्पर्श करता दिखा पीएसकेएस जिला कार्यकारिणी गठन समारोह

पत्रकारों को एकजुट करने व उनके मान-सम्मान के लिए आजीवन करूँगा संघर्षः विकास त्रिवेदी

❑ मुकीम अहमद वरिष्ठ उपाध्यक्ष, राजकुमार तिलक महासचिव व आलोक गौड़ को मिली जिला प्रवक्ता की जिम्मेदारी ❑ इकहत्तर सदस्यीय जिला कमेटी में सभी लोगो का रखा गया ख्याल

फतेहपुर । पत्रकार समाज कल्याण समिति की जिला कार्यकारिणी का सर्व सम्मति से मंगलवार को गठन किया गया। कार्यकारिणी गठन का आयोजित हुआ कार्यक्रम अगर ऐतिहासिकता को स्पर्श करता हुआ कहा जाए तो अतिश्योक्ति न होगी। कोविड-19 के दौरान जारी गाइड लाइनों का पालन करते हुए आयोजित हुए इस ऐतिहासिक कार्यक्रम में जहॉ पत्रकारों के मान-सम्मान की रक्षा के लिए आवाज बुलन्द की गयी तो वहीं जिले के सभी पत्रकारों से एकजुट होकर हितों के लिए संघर्ष करने का आहवान भी किया गया। गठित की गयी कार्यकारिणी में सर्व सम्मति से वरिष्ठ पत्रकार विकास त्रिवेदी ''राहुल'' को जिलाध्यक्ष पद की कमान सौंपी गयी। जबकि जिलाध्यक्ष के अनुमोदन व वरिष्ठजनों की मौजूदगी में सर्व सम्मति से निर्णय लेते हुए छह-संरक्षक के अलावा महासचिव पद पर एक, वरिष्ठ उपाध्यक्ष-एक, उपाध्यक्ष-पांच, सचिव-नौ, प्रवक्ता-एक, मीडिया प्रभारी-एक, संगठन मंत्री-पांच, विधि सलाहकार-तीन के अलावा इक्कीस सदस्यों को भी संगठन में स्थान दिया गया। कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि मण्डल उपाध्यक्ष मेराजउद्दीन ने शिरकत की।

पत्रकार समाज कल्याण समिति की जिला कार्यकारिणी घोषणा एवं परिचय सम्मेलन के दौरान एकजुटता का संदेश देने के लिए आये पत्रकार बन्धुओं ने यह साबित कर दिया कि अब वह समिति के साथ कंधे से कंधा मिलाकर पत्रकारों के हित के लिए आवाज बुलन्द करेंगे। इतना ही नही अगर शासन-प्रशासन व किसी दबंग व्यक्ति द्वारा पत्रकारों का उत्पीड़न किया जाता है तो उसका भी मुॅहतोड़ जवाब दिया जाएगा। नव मनोनीत जिलाध्यक्ष विकास त्रिवेदी राहुल ने कहा कि पत्रकारों के लिए हित के लिए हमेशा से संघर्ष करते रहे है। उसी प्रकार आगे भी पत्रकारों के मान-सम्मान व सुरक्षा के लिए आवाज बुलन्द करते रहेंगे। उन्होने संगठन के पदाधिकारियों व सदस्यों के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि उन्हें जो जिम्मेदारी सौंपी गयी है वह उसका बखूबी निर्वहन करेंगे और किसी भी कीमत पर किसी भी पत्रकार साथी का उत्पीड़न बर्दाश्त नही किया जाएगा।

गठित की गयी जिला कार्यकारिणी में संरक्षक मण्डल में वरिष्ठ पत्रकार नीतेश श्रीवास्तव, संदीप केशरवानी, रामचन्द्र सैनी, नफीस जाफरी को शामिल किया गया है, जबकि जिलाध्यक्ष पद में सर्व सम्मति से विकास त्रिवेदी के अलावा, वरिष्ठ उपाध्यक्ष मुकीम अहमद, महासचिव राजकुमार तिलक, उपाध्यक्ष पद पर अजहरउद्दीन, यूसुफ राजेश तिवारी, मेराज सिद्दीकी, रवि कश्यप, जिला सचिव पद पर उमेश चन्द्रा, सूर्या त्रिवेदी, फिरोज, संदीप अग्निहोत्री, आशुतोष श्रीवास्तव, नदीम जावेद, परवेज अहमद, रिजवानउद्दीन, त्रिभुवन सिंह, जिला प्रवक्ता-आलोक गौड़, मीडिया प्रभारी-लईक अहमद, संगठन मंत्री सारिब कमर अजमी, रशीद, शाहिद, ललित पाण्डेय, मो0 वसीम, विधि सलाहकार सैफी व नदीम सिद्दीकी, सदस्यों में जगत त्रिवेदी, बब्लू सिंह, मुकेश सिंह, मो0 कलीम, सलमान, जमील अहमद, सद्दाम हुसैन, अमजद खान, जमाल अयूब, शादाब मंसूरी, पवन पाण्डेय, रामशंकर विश्वकर्मा, शिवकुमार, मैसर अब्बास, मनोज सिंह, उत्कर्ष श्रीवास्तव, मो0 गालिब, समून खॉ, दानिश, कर्म मोहम्मद, आजम, प्रभात कुमार, मो0 मोकीद, विकास कुमार, उत्कर्ष जायसवाल, विवके सिंह, श्रीराम अग्निहोत्री, मोनू सिंह, प्रकाश कुमार, मनोज कुमार, आसिफ फिरोज अली, परमानन्द पाण्डेय आदि को शामिल किया गया।

टीवी न्यूज चैनल के दिवंगत पत्रकार को दी श्रद्धांजलि

फतेहपुर (प्रभात व्यूज)। एक राष्ट्रीय टीवी न्यूज चैनल के वरिष्ठ पत्रकार नीलांशु शुक्ला के आकस्मिक निधन पर पत्रकार समाज कल्याण समिति के आहूत हुए जिला कार्यकारिणी गठन समारोह के दौरान गहरा दुःख व्यक्त करते हुए दो मिनट का मौन व्रत रखकर श्रद्धांजलि अर्पित की गयी। वरिष्ठ पत्रकार नीतेश श्रीवास्तव ने बताया कि दिवंगत शुक्ला निर्भीक, निडर पत्रकार थे। उन्होने अपने जीवनकाल के दौरान परेशान लोगो को न्याय दिलाने के लिए संघर्ष किया। उन्होने बताया कि बीते दिनों समाचार संकलन के दौरान श्री शुक्ला कोविड-19 से संक्रमित हो गये थे, जिसके चलते उन्हें बीते तीन दिनों पूर्व कानपुर के एयरफोर्स अस्पताल में भर्ती कराया गया। जहॉ आज सुबह उनका निधन हो गया। उधर उनके मौत की खबर पाते ही प्रदेश समेत जनपद के भी पत्रकारों में शोक छा गया और दिवंगत आत्मा की शांति के लिए दो मिनट का मौनधारण कर श्रद्धा-सुमन अर्पित करते हुए शोक संतृप्त परिवार को दुःख सहन करने की शक्ति प्रदान करने की ईश्वर से कामना की।

पुलिस ने गैर इरादतन हत्या के एक आरोपी को पकड़ा

❑ दो महीने पहले मारपीट के दौरान घायल हुए युवक की इलाज के दौरान हुई थी मौत ❑ दो आरोपियों की पुलिस अभी-भी कर रही तलाश

बिंदकी, फतेहपुर । दो महीने पहले हुई मारपीट के मामले में एक युवक की इलाज के दौरान मारपीट हो गई थी। इस मामले में मृतक युवक के पत्नी ने आरोपियों के खिलाफ गैर इरादतन हत्या का मुकदमा दर्ज कराया था। इस मामले में पुलिस ने एक आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है, जबकि दो आरोपी अभी भी फरार है जिनकी पुलिस तेजी से तलाश कर रही है। पकड़े गए आरोपी के खिलाफ पुलिस ने कानूनी कार्रवाई कर न्यायालय भेज दिया। बताते चलें कि कोतवाली बिंदकी क्षेत्र के आलियाबाद गांव में करीब 2 माह पहले मामूली विवाद के चलते कुमार बहादुर सिंह उर्फ रिंकू सिंह पुत्र अवध नरेश सिंह ने अपने दो साथियों के साथ अपने गांव के ही युवक चुनवाद की पिटाई कर दी थी जिसमें युवक गंभीर रूप से घायल हुआ था। घायल युवक का काफी दिनों से इलाज चल रहा था जिसकी इलाज के दौरान मौत हो गई थी। इस मामले में मृतक युवक की पत्नी आशा देवी ने कुंवर बहादुर सिंह उर्फ रिंकू सिंह तथा उसके दो साथियों के खिलाफ गैर इरादतन हत्या का मुकदमा दर्ज कराया था। इसी के चलते पुलिस ने मुखबिर की सटीक सूचना पर एक आरोपी कुंवर बहादुर सिंह उर्फ रिंकू सिंह को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ कानूनी कार्रवाई कर न्यायालय में पेश किया है। पुलिस बाकी दो आरोपियों की लगातार तलाश कर रही है पुलिस को आशा है कि जल्द दो आरोपी भी पकड़े जाएंगे।

संस्कार टीम की बैठक में छाया रहा फीस माफी का मुद्दा

ऑनलाइन शिक्षा बच्चो को मानसिक रूप से कर रही कमजोर

फतेहपुर । संस्कार टीम की त्रैमासिक बैठक का आयोजन नीलकंठ पैलेस पटेलनगर में सन्तोष तिवारी की अध्यक्षता में आयोजित हुई। बैठक में मुख्यतः विद्यालयों की फीस माफी की चर्चा रही। इस सम्बंध में एक दिवसीय सांकेतिक धरना प्रदर्शन नहर कालोनी में किये जाने की रणनीति तय की गई। साथ ही प्रधानमंत्री, मुख्यमंत्री के नाम मांग पत्र पंजीकृत डाक से प्रेषित किये जाने का प्रस्ताव प्रारित किया गया। बैठक में अध्यक्षता सन्तोष तिवारी ने करते हुए कहा कि ऑनलाइन शिक्षा क्लास संचालन पूरी तरह निष्प्रभावी है। इस प्रक्रिया से बच्चो के मस्तिष्क व आखों पर गहरा असर पड़ता है जो उसके जीवन व भविष्य के लिए घातक है। साथ ही बच्चो पर अनावश्यक बोझ दिये जाने से बच्चे व परिजन दुःखी रहते है। इसी क्रम में सदस्य किशन मेहरोत्रा ने कहा कि बच्चो के जीवन से अनुपयोगी महंगी पुस्तके लेने की अनिवार्यता भी अभिभावक को गरीबी के गर्त में ढकेल रही है, जिसके लिए बहुत सी माताएं अपने कीमती जेवर तक बेच देती है। सदस्य राजेन्द्र साहू व अनिल वर्मा ने कहा कि छोटे-छोटे विद्यालयों की गगन चुम्बी इमारते, छात्रों की भारी फीस तथा कम वेतन के अप्रशिक्षित बेरोजगार अध्यापक एवं अभिभावकों को छात्रों के लिए नित नए करिश्मे सीखना भी परिवारीजनों को लाचार कर रहा है। बैठक में संस्कार टीम के सन्तोष तिवारी, किशन मेहरोत्रा, राजेन्द्र साहू अनिल वर्मा के अलावा डाक्टर माधुरी साहू ने भी विचार व्यक्त किये। बैठक के अंत में निर्णय लिया गया कि 03 सितम्बर को पूर्वान्ह 11 बजे संस्कार टीम, उद्योग व्यापार मण्डल व अभिभावक अधिकार संगठन सांकेतिक रूप से धरना प्रदर्शन करने के बाद रजिस्टर्ड डाक द्वारा प्रधानमंत्री व मुख्यमंत्री को ज्ञापन भेजेगा।

प्रणव दा जैसे सतपुरूष मरते नही: हेमलता पटेल

बहुआ, फतेहपुर । गुलाबी गैंग लोकतांत्रिक द्वारा भारत के पूर्व राष्ट्रपति प्रणब मुखर्जी की मृत्यु पर दुःख प्रकट करते हुए उनकी चित्र पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि अर्पित की गयी। गैंग की अध्यक्ष हेमलता पटेल ने कहा कि प्रणव दा का निधन भारतीय राजनीति के लिए ना सिर्फ बेहद दुःखद है, बल्कि एक युग की समाप्ति है। ईश्वर दिवंगत आत्मा को श्रीचरणों में स्थान दें। उनके अलावा उक्त प्रकार के वचन वक्ताओं ने प्रकट किये। भारत रत्न प्रणब दा ने भारतीय राजनीति व सामाजिक जीवन में सर्वोच्च स्थान को प्राप्त किया था। प्रणव दा ने हमेशा निराशा, अकर्मण्यता, असफलता और उदासीनता के अंधकार को अपने आत्मविश्वास, साहस, दृढ़ इच्छाशक्ति और जीवन के आशा भरे दीपों से पराजित किया। प्रणब दा को अलविदा नहीं कहा जा सकता, क्योंकि ऐसे विशाल हृदय वाले सतपुरुष मरते नहीं, लोगों के दिलों में सदैव अमर रहते हैं। ऐसे विचार लोगो ने व्यक्त करते हुए उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की।

डम्फर की टक्कर से बाइक सवार की मौत

फतेहपुर । गाजीपुर थाना क्षेत्र के पीएचसी के समीप मंगलवार की दोपहर बेकाबू डम्फर ने बाइक को टक्कर मार दिया। जिससे मौके पर ही 45 वर्षीय महिला की दबकर दर्दनाक मौत हो गयी। जबकि पति घायल हो गया। जानकारी के अनुसार थाना क्षेत्र के खेशहन गांव निवासी मुन्नू तिवारी की पत्नी सुमन देवी का भतीजा जो शहर में रहता था। उसके निधन होने पर वह अपने पति के साथ मोटर साइकिल द्वारा अन्तिम संस्कार में शामिल होने आ रही थी। बताते हैं कि बाइक जैसे ही गाजीपुर कस्बा के पीएचसी के समीप पहुंची तभी पीछे से तेज रफ्तार आ रहे डम्फर ने बाइक में टक्कर मार दिया। जिससे पति रोड किनारे बाइक सहित जार गिरा। जबकि पत्नी रोड पर गिर गयी और डम्फर उसे कुचलता हुआ निकल गया। जिसके कारण महिला की घटना स्थल पर ही दर्दनाक मौत हो गयी। सूचना पाकर मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को अपने कब्जे में लेकर विच्छेदन गृह भेज दिया है। वहीं डम्फर को अपने कब्जे में ले लिया है।

अब वेंडर्स को मिलेगा दस हजार का ऋण

पीएम स्ट्रीट वेंडर्स आत्मनिर्भर योजना की बैठक में हुई चर्चा

बिंदकी, फतेहपुर । नगर के वेंडर्स को अब व्यापार करने के लिए 10000 रूपये का ऋण दिया जाएगा जिससे वह लोग अपना रोजगार ठीक से कर सकेंगे। इस मामले में नगर पालिका परिषद में पीएम स्ट्रीट वेंडर्स आत्मनिर्भर योजना की बैठक पर चर्चा की गई। मंगलवार को नगर पालिका परिषद कार्यालय में पीएम स्ट्रीट वेंडर्स आत्मनिर्भर योजना की एक बैठक हुई जिसमें नगर के वेंडर्स को 10000 रूपये का ऋण दिए जाने पर चर्चा की गई। बताया गया कि इस योजना को प्रत्येक वेंडर्स को बताया जाएगा जिससे उनको ऋण मिल सके और वह अपना व्यवसाय आसानी से कर सकें। इस मौके पर नगर पालिका परिषद के अधिशासी अधिकारी निरूपमा प्रताप ने बताया कि प्रधानमंत्री स्ट्रीट वेंडर्स आत्मनिर्भर योजना की है। नई स्कीम है और इसके तहत फुटपाथ और ठेलिया में अपना रोजगार करने वालों को सबल बनाने के लिए उन्हें 10000 रुपे कार्ड देने का प्रावधान है। ऐसे लोगों की जल्दी सूची बनाई जाएगी। इस मौके पर जिला अग्रणी बैंक फतेहपुर के प्रबंधक बीबी मिश्रा के अलावा नगर पालिका परिषद के सफाई इंस्पेक्टर राजेंद्र सिंह, नगर पालिका परिषद के आरआई रविंद्र सोनकर, व्यापार मंडल कंछल गुट के नगर अध्यक्ष मोना ओमर, पथ विक्रेता लल्लू आदि मौजूद रहे।

कोतवाली परिसर में फरियादियों के बैठने के लिए की गई बेहतर व्यवस्था

सीमेंट की मजबूत रंगीन बेंच बनवाई गई

बिंदकी, फतेहपुर । कोतवाली में आने वाले फरियादियों को अब खड़े नहीं रहना पड़ेगा । पुलिस ने उनके बैठने के लिए सीमेंटेड कई बेंच का इंतजाम किया है, फरियादी इन रंगीन बेहतर बेंच में बैठकर अधिकारियों से मिलने का इंतजार आसानी से कर सकते हैं। मंगलवार को कोतवाली परिसर में सीमेंट की कई बेंच लगवाई गई।

यह रंग-बिरंगी बेंच एक ओर जहां कोतवाली परिसर की शोभा बनाएंगे। वहीं दूसरी ओर जो फरियादी अधिकारियों के मिलने के लिए काफी देर खड़े रहते थे या इधर-उधर टहलते थे उन्हें अब इन बेंच में बैठने के लिए व्यवस्था की गई है। फरियादी यहां पर आकर बैठेंगे और अपनी समस्या पुलिस अधिकारियों को बताने का काम करेंगे। इस संबंध में कोतवाली प्रभारी निरीक्षक सत्येंद्र सिंह ने कहा कि आगंतुकों को परेशानी का सामना करना पड़ता था। तमाम फरियादी इधर-उधर टहलते रहते थे। काफी देर खड़े रहते थे। इस समस्या को देखते हुए सीमेंटेड बेंच लगवाई गई है जिनमें यहां पर फरियादी आराम से बैठेंगे और अपनी समस्या भी बताने का काम करेंगे।

गोष्ठी में याद किये गये सामाजिक क्रांति के पुरोधा

फतेहपुर । यादव महासभा की गोष्ठी में नगर पालिका द्वारा जोनिहा रोड पर स्व0 जयराम सिंह यादव के नाम पर स्मृति द्वार बनाए जाने पर नगर पालिका प्रतिनिधि हाजी रजा का माल्यार्पण कर स्वागत किया गया। इस दौरान सामाजिक क्रांति के पुरोधा रहे पेरियार ललई सिंह यादव की जयंती मनाई गई और उनके चित्र पर माल्यार्पण कर उन्हें श्रद्धांजलि दी गई। वहीं वक्ताओं ने कहा कि चेयरमैन प्रतिनिधि जिस तरह से कार्य कर रहे हैं निश्चित मायने में वह काबिले तारीफहै। इस अवसर पर महासभा के अध्यक्ष महेंद्र सिंह यादव, राजेश चौधरी, सुरेंद्र सिंह यादव, अश्वनी यादव, वीरेंद्र यादव, डॉ0 अमित पाल, प्रमोद यादव, राजू यादव, भोला यादव, शाहनवाज आलम, देवनारायण, जितेंद्र मौर्य आदि मौजूद रहे।

पुलिस ने आठ किलो गांजा के साथ महिला को पकड़ा

मौके से मिली एक बाइक, महिला का पति मौके से फरार

बिंदकी, फतेहपुर । पुलिस ने मुखबिर की सटीक सूचना पर एक महिला को 08 किलो गांजा के साथ पकड़ लिया। पुलिस को एक बाइक मौके से मिली जबकि महिला का पति मौके से भाग निकला, जिसकी पुलिस तलाश कर रही है। पुलिस ने आरोपी महिला के खिलाफ कानूनी कार्यवाही कर न्यायालय भेज दिया। मुखबिर की सटीक सूचना पर पुलिस बल नगर के मोहल्ला लाहोरी पहुंचा जहां पर पुलिस ने 08 किलो गांजा के साथ शमा परवीन पत्नी ननका उर्फ मुकेश सोनकर निवासी हमीरपुर रोड कच्ची सड़क नई बस्ती हंस पुरम थाना नौबस्ता कानपुर को पकड़ लिया। पुलिस को मौके से एक बाइक भी मिली, जबकि महिला का आरोपी पति ननका ऑफ मुकेश सोनकर मौके से भाग निकला।

पुलिस ने आरोपी महिला शमा परवीन के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की है। इस संबंध में कोतवाली प्रभारी निरीक्षक सत्येंद्र सिंह ने बताया कि मुखबिर द्वारा सूचना मिली थी कि एक महिला भारी मात्रा में गांजे के साथ खड़ी है, जिस पर पुलिस की टीम मौके पर पहुंची और आरोपी महिला को 08 किलो गांजा के साथ पकड़ लिया। पूरे मामले की छानबीन की जा रही है कि और अन्य लोग कौन-कौन इस मामले में शामिल है। वहीं महिला के पति ननका उस मुकेश सुनकर की भी तलाश की जा रही है।

आदर्श नगर पंचायत की गलियों में उड़ रही धज्जियां

जहानाबाद, फतेहपुर । नगर पंचायत जहानाबाद को आदर्श नगर पंचायत विगत महीनों से दर्जा प्राप्त हुआ है , इसी नगर पंचायत में एक नहीं अनेक जगह गंदगी का अंबार देखने को मिल रहा है। जहां वर्तमान सरकार के मूल प्लान स्वच्छ भारत मिशन की धज्जियां उड़ रही हैं। आपको बता दें आदर्श नगर पंचायत जहानाबाद में अनेक जगहों की तरह वार्ड नंबर 4 मोहल्ला कछ्योरा सुंदरपुर बजाज एजेंसी सर्विस सेंटर मार्ग किनारे में जो नाला बना हुआ है और आने जाने के लिए बीच में ईट सीमेंट की जमीं हुई पटिया रखाई गई है जिससे आवागमन और बाधित न हो । इस नाले बिंदु में जो पटिया रखी हुई हैं जिसमें कभी भी अप्रिय घटना हो सकती है और जैसे ही आप बगल में देखेंगे तो जमा हुआ कचरा दिखने लगता है और इस जमे हुए कचरे से आपको दुर्गंध भी महसूस होगी। लेकिन इस वार्ड नंबर 4 के सभासद एवं नगर पंचायत इस गंदगी से संबंधित अनदेखी किए हुए हैं जिससे क्षेत्रीय लोगों में रोष है।

पति से क्षुब्ध महिला ने थाने पहुंच दर्ज कराया मुकदमा

जहानाबाद, फतेहपुर । थाना क्षेत्र के एक गांव में विगत दिवस महिला द्वारा कीटनाशक पिए जाने की सूचना मिलने पर खबर प्रकाशित हुई।पीड़िता के परिजनों ने गांव पहुंचकर उसे थाने ले जाकर पति के विरुद्ध कराया अभियोग पंजीकृत। मिली जानकारी के अनुसार जहानाबाद थाना क्षेत्र के ग्राम कुल्हीहार निवासिनी सुरेखा देवी पत्नी जुगराज निषाद 40 वर्ष विगत दिवस सोमवार शाम 3रू00 बजे कीटनाशक दवा पिए जाने से हालत खराब हुई तो परिजनों ने स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराकर उपचार कराया। जैसे ही महिला पीड़िता के मायके ग्राम कुछेछा थाना व जनपद हमीरपुर के परिजनों को जानकारी हुई तो आज मंगलवार को थाना क्षेत्र के ग्राम कुल्हीहार पहुंचे और महिला का हाल जाना । जानकारी लेने के बाद पीड़िता के भाई मुकेश पुत्र गंगा प्रसाद निषाद अपनी बहन को लेकर थाना पहुंचे और उसके पति के विरुद्ध तहरीर देकर अभियोग पंजीकृत कराया।

पीड़िता के भाई विवेक ने बताया कि बीते दिवस इनकी बहन को उसके पति ने नशे में धुत होकर मारने पीटने के बाद उसे कीटनाशक दवा पिलाई उसकी हालत को खराब देख मौके से फरार हो गया। लोगों ने उसके उपचार हेतु स्वास्थ्य सेवा एंबुलेंस वाहन की सहायता से सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र जहानाबाद में भर्ती कराया। उसका स्वास्थ्य सही होने पर चिकित्सकों ने घर भेजा। जिसका हाल जानने के बाद थाने पहुंच बहनोई के विरुद्ध बहन ने अभियोग पंजीकृत करवाने हेतु तहरीर दी है। थाना प्रभारी निरीक्षक संतोष कुमार शर्मा ने बताया कि बीते दिवस एक महिला की कीटनाशक दवा पीने से हालत खराब हुई जिसका उपचार बाद चिकित्सकों ने घर भेजा। मायके पक्ष से पीड़िता अपने भाइयों के साथ अपने पति के विरुद्ध तहरीर देकर अभियोग पंजीकृत कराया। उसके पति के विरुद्ध अपराधिक धारा 328/323 आईपीसी के तहत मुकदमा पंजीकृत किया गया, पुलिस जांच कर रही है।

चौतीस पर शांतिभंग की कार्यवाही

फतेहपुर । जनपद के अलग-अलग थाना क्षेत्रों के अन्तर्गत मंगलवार की सुबह लगभग एक दर्जन थानों की पुलिस ने क्षेत्र में आतंक व अशांति फैलाने वाले दो दर्जन से अधिक लोगों के विरूद्ध 151 के तहत कार्यवाही की है। पुलिस प्रवक्ता के अनुसार सदर कोतवाली प्रभारी एक, मलवां दो, बिन्दकी दो, कल्याणपुर तीन, जहानाबाद एक, धाता एक, सुल्तानपुर घोष दस, चांदपुर चार, ललौली चार तथा थरियांव थानाध्यक्ष ने छः लोगों के विरूद्ध शांतिभंग के तहत कार्यवाही की है।

पांच साल की मासूम की पड़ोसी ने कर दी मुँह दबा कर हत्या

मासूम की हत्या के आरोपी को पुलिस ने किया गिरफ्तार

लखनऊ, संवाददाता। लखनऊ के ग्रामीण माल थाना क्षेत्र से एक दिल को दहलाने वाली घटना सामने आई है माल के मवई गाँव मे रहने वाले एक 38 वर्षीय व्यक्ति अपने पड़ोसी की पांच वर्षीय मासूम बच्ची का अपहरण कर मुँह और गला दबाने के बाद उसकी बेरहमी से हत्या कर शव को घर से करीब 1 किलो मीटर दूर झाड़ियों में फेंक दिया। मंगलवार की सुबह बच्ची का शव मिलने के बाद पूरे गाँव मे हड़कम्प मच गया। बच्ची की हत्या के आरोपी को पुलिस ने हिरासत में लेलिया है। मासूम के कातिल ने हत्या करने की जो वजह पुलिस को बताई वो भी किसी के गले नही उतर रही है। पुलिस मासूम से दुष्कर्म किये जाने की बात से इनकार

कर रही है शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। जानकारी के अनुसार किसान राजू अपनी पत्नी पिंकी 10 वर्षीय पुत्र लकी और 5 वर्षीय बेटी रितिका के साथ माल थाना क्षेत्र के मवई गाँव मे रहता है। सोमवार की शाम राजू के घर मे पूजा हो रही थी तभी उसकी बेटी रितिका घर से बाहर निकली तो राजू का पड़ोसी राजेश गौतम उसे टॉफी दिलाने के बहाने बहला फुसला कर ले गया रितिका जब काफी देर तक लौट के नही आई तो घर के लोगो ने उसकी तलाश शुरू की रितिका की माँ पिंकी द्वारा माल पुलिस को सूचना दी गई। पुलिस और परिजन गाँव वालों के साथ मिल कर रात भी बच्ची की तलाश करते रहे मंगलवार की सुबह घर से करीब 1 किलो मीटर दूर गोधन गाँव मे खेत मे झाड़ियों के अंदर रितिका का शव पड़ा मिला तो पूरे गाँव मे कोहराम मच गया। मृतिका के परिजनों ने पड़ोसी राजेश पर हत्या का शक जाहिर किया तो पुलिस ने राजेश को गिरफ्तार कर उससे कड़ाई से पूछताछ की जिसमे राजेश ने रितिका की गला और मुँह दबा कर हत्या किए जाने की बात कुबूल की। इंस्पेक्टर माल ने बताया कि आरोपी का कहना है कि सात साल से उसका उसकी पत्नी के साथ विवाद चल रहा है उसकी पत्नी सात साल से आलमबाग में रह रही है।

तेज रफ्तार बेकाबू ट्रक ने बाइक को मारी टक्कर युवक की मौत

लखनऊ, संवाददाता। कोरोना और लॉकडाउन के बीच रफ्तार का कहर थमने का नाम नहीं ले रहा है। यपी में फिर सड़क दुर्घटनाओं का दौर शुरू हो गया है। उत्तर प्रदेश की राजधानी के मोहनलालगंज में मंगलवार भीषण सड़क हादसा हो गया है। एक तेज रफ्तार ट्रक ने अनियंत्रित होकर आगे जा रही बाइक में जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जोरदार थी कि बाइक सवार की मौके पर मौत हो गई है। सूचना के बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने गंभीर रूप से घायल युवक को सीएचसी मोहनलालगंज भेजा। जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। वहीं, टक्कर मारकर भाग रहे ट्रक चालक को पुलिस ने ट्रक समेत पकड़ लिया। पुलिस ने चालक को हिरासत में लिया है। निगोहां के शेरपुर लवल में रहने वाला 30 वर्षीय रवि शंकर सुबह बाइक से गोसाईगंज की तरफसे आ रहा था। वह खुजौली पुलिस चौकी के पास पहुंचा ही था। तभी पीछे से आ रहे ट्रक ने टक्कर मार दी।

कानून व्यवस्था के मद्देनजर उप्र सरकार पर जमकर बरसीं माया

लखनऊ, संवाददाता। बहुजन समाज पार्टी प्रमुख मायावती ने मंगलवार को उत्तर प्रदेश सरकार पर आरोप लगाया कि सूबे में कानून व्यवस्था बदतर हो गयी है और दलितों के खिलाफ लगातार हो रहा अत्याचार और अन्याय चिंता की बात है। मायावती ने मंगलवार को ट्वीट कर कहा, उप्र की भाजपा सरकार में वैसे तो सर्वसमाज के लोग हर प्रकार की जुल्म-ज्यादती से पीड़ित हैं किन्तु दलितों के उपर अन्याय-अत्याचार की लगातार हो रही घटनायें अति-चिन्ता की बात है। रायबरेली में पुलिस बर्बता में दलित युवक की मौत तथा आगरा में तीन दलितों की हत्या आदि अति-दुःखद व अति-निन्दनीय। उन्होंने एक अन्य ट्वीट में कहा, उप्र की इन ताजा घटनाओं के सम्बंध में सरकार दोषियों के खिलाफ सख्त कानूनी धाराओं में त्वरित कार्रवाई करने के साथ ही खासतौर से कमजोर वर्गों के लोगों की सुरक्षा सुनिश्चित करे, बीएसपी की यह मांग है। राज्य में आए दिन ऐसी दर्दनाक घटनायें यहां जंगलराज होने को ही साबित करती हैं। गौरतलब है कि आगरा में सोमवार को रामवीर, उनकी पत्नी मीरा और 23 साल के बेटे बब्लू का शव मिला था । मायावती ने ट्वीट कर इसी घटना का जिक्र किया है। आगरा की घटना के बारे में पुलिस ने बताया था कि तीनों अपने घर में टेप से बंधे थे और मुंह को पालीथीन से बंद किया गया था । गैस सिलंडर का पाइप लीक कर रहा था कि जिससे घर में आग लग गयी थी। आगरा के पुलिस महानिरीक्षक सतीश गनेश ने बताया कि इस घटना में तीन लोग शामिल थे उनका मकसद लूट था। उन्होंने बताया कि सोमवार रात दो आरोपी सुभाष और वकील को मुठभेड़ के बाद गिरफ्तार कर लिया गया है और उनके पास लूट का सामान बरामद हुआ है जबकि एक आरोपी अब भी फ्रार है। रायबरेली में लालगंज पुलिस स्टेशन में बाइक चोरी के आरोपी मोनू उर्फमोहित (19) की पुलिस हिरासत में मौत हो गयी थी।

निर्माण निगम के एमडी तथा पूर्व एमडी की लोकायुक्त को परिवाद

लखनऊ, संवाददाता। एक्टिविस्ट डॉ नूतन ठाकुर ने उत्तर प्रदेश निर्माण निगम लिमिटेड के पूर्व एमडी यू के गहलोत तथा वर्तमान एमडी सत्य प्रकाश द्वारा राजकीय एलोपेथिक मेडिकल कॉलेज, बहराइच में भारी अनियमितता तथा कूटरचना के बाद भी कोई कार्यवाही नहीं करने के संबंध में लोकायुक्त जस्टिस संजय मिश्रा के समक्ष परिवाद प्रस्तुत किया है. अपने परिवाद में नूतन ने कहा कि निर्माण निगम ने यह काम मेसर्स यूनिवर्सल काट्रेक्टर एंड इंजिनियर प्रा0लि0 को बैक-टू-बैक वर्क के रूप में दिया गया. इसके बाद भी निगम के अफसरों ने 01 जून 2018 से 16 नवम्बर 2018 के बीच सामान खरीद के नाम पर कुल 14.5 करोड़ का भुगतान अनियमित रूप से सीधे उप ठेकेदार के पक्ष में कर दिया जिसमें समान खरीद के कोई साक्ष्य मौजूद नहीं हैं. ठेकेदार मेसर्स यूनिवर्सल ने भी लिख कर बताया है कि उन्होंने निगम को सामान के खरीद हेतु कोई सहमति नहीं दी थी।

इन्स्पायर एवार्ड मानक के पंजीकरण में लखनऊ पिछड़ा

लखनऊ, संवाददाता। कक्षा छः से कक्षा दस तक के स्कूली बच्चों में वैज्ञानिक अभिरूचि और सोच उत्पन्न करने के उद्देश्य प्रतिवर्ष इन्स्पायर एवार्ड मानक प्रतियोगिता आ आयोजन किया जाता है। जिसमें पूरे प्रदेश के स्कूलों के बच्चे प्रतिभाग करते है। जिसका ऑनलाइन पंजीकरण एक जून से होना था परन्तु दो माह बीत जाने के बाद भी 46 जिलों से एक भी पंजीकरण नहीं हुआ। गत वर्ष की तुलना में इन्स्पायर एवार्ड मानक 2020-21 के पंजीकरण में लखनऊ काफी पिछड़ा है। लखनऊ मंडल में उन्नाव और लखीमपुर खीरी में पंजीकरण शून्य रहे लखनऊ के 24 स्कूलों से मात्र 69 पंजीकरण हुये, सीतापुर के 3 विद्यालयों से से म 11, हरदोई के 47 स्कूलों से कुल 199 पंजीकरण हुये। पूरे प्रदेश में सबसे अधिक रायबरेली के 69 स्कूलों से 205 पंजीकरण इन्स्पायर एवार्ड के लिये हुये। इस प्रतियोगिता में जिला स्तर पर चुने गये प्रतिभागी को उसके बैंक खाते में दस हजार रूपये मॉडल को बनाने के लिये दिये जाते है। साथ ही राज्य स्तर और राष्ट्र स्तर तक प्रतिभाग करने का मौका मिलता है। मण्डलीय विज्ञान प्रगति अधिकारी दिनेश कुमार ने बताया कि अभी तक राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिता की तिथि 30 सितम्बर तय की गयी थी। जो कि कोविड के चलते आगे बढ भी सकती है। इस महत्वाकांक्षी और बच्चों के लिये उपयोगी प्रतियोगिता इन्स्पायर एवार्ड में प्रतिभागिता बढ़ाने के उद्देश्य से शिक्षा निदेशक माध्यमिक विनय कुमार पाण्डेय ने समस्त जिला विद्यालय निरीक्षकों को स्कूलों से ऑनलाइन पंजीकरण करवाने को कहा है। साथ ही शून्य पंजीकरण वाले जिलों के प्रति नाराजगी जताते हुये तत्काल पंजीकरण बढ़ाने को कहा है।

वैश्विक रामायण पाठ पारायण में आज हुआ अरण्यकांड का पाठ

मॉरिशस की रामकथा मंडली ने ऑनलाइन गाया जय श्रीराम जयजय राम

लखनऊ, संवाददाता। अंतर्राष्ट्रीय ऑनलाइन रामायण पाठ पारायण 30 अगस्त से शुरु होकर 5 सितम्बर तक किया जा रहा है। इसमें भारत सहित फिजी, गयाना, मॉरिशस, दक्षिण अफ्रीका, सूरीनाम, थाईलैंड, अमेरिका से कलाकार जुड़ रहे हैं। इसके तीसरे दिन मंगलवार को अरण्यकांड का सरस पाठ मॉरिशस की रामायण मंडली ने किया। लोगों ने इसे अयोध्या शोध संस्थान लखनऊ की यू-ट्यूब लिंक पर देखा और सराहा। इस वृहद योजना के मुख्य संरक्षक प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ हैं। इसके साथ ही संस्कृति और पर्यटन मंत्री नीलकंठ तिवारी और प्रमुख सचिव संस्कृति जितेन्द्र कुमार इसके संरक्षक हैं। अयोध्या शोध संस्थान की ओर से धर्मिणी ऑफ त्रिनिनाद एंड टोबैगो और अवधी कल्चर इन द कैरीबियन के सहयोग से इस अंतरराष्ट्रीय ऑनलाइन रामायण पाठ का पारायण किया जा रहा है। इसमें त्रिनिनाद के कृष्ण और शास्त्री डेनियल जो लव-कुश बंधु के नाम से प्रसिद्ध हैं रामायण का पाठ पारायण करेंगे। मंगलवार को अरण्यकांड का सरस पाठ परमानंद सिंह, प्रवीण रामजुट्टन, धनीलाल फकीर, ऋषि बोलाकी ने किया। अरण्यकांड में राम का सीता लक्ष्मण सहित वन-गमन मारीचि-वध और सीता-हरण की कथा का वर्णन किया गया। इसमें 46 दोहे हैं। अरण्यकांड में बताया गया कि किस तरह राजा राम ने राक्षसों के आतंक से दुखी होकर संकल्प लिया कि वह समस्त राक्षसों का अंत करेंगे। ऐसे में प्रभु राम ने पंचवटी को अपना निवास स्थान बनाया। शबरी के प्रेरक प्रसंग के माध्यम से राम के विशाल चरित्र को पेश किया गया। जगमोहन रावत के तकनीकी सहयोग और अयोध्या शोध संस्थान के निदेशक योगेन्द्र प्रताप सिंह की परिकल्पना में हो रहे इस वैश्विक रामायण पाठ के चौथे दिन बुधवार 2 सितम्बर को किष्किन्धाकाण्ड का पाठ दक्षिण अफ्रीका, 3 सितम्बर को सुंदरकांड का पाठ थाईलैंड, 4 सितम्बर को लंकाकांड का पाठ गयाना और 5 सितम्बर को उत्तरकांड का पाठ न्यूयार्क के कलाकार करेंगे।

कोरोना से पत्रकार की मौत दुखद, पत्रकारों को बीमा की सुविधा दे योगी सरकारः प्रियंका

लखनऊ, संवाददाता। कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाद्रा ने लखनऊ में कोरोना वायरस से संक्रमित एक पत्रकार के निधन पर दुख प्रकट करते हुए मंगलवार को कहा कि उत्तर प्रदेश सरकार को सभी पत्रकारों को बीमा की सुविधा प्रदान करनी चाहिए। उन्होंने पत्रकार नीलांशू शुक्ला की निधन पर दुख प्रकट करते हुए फेसबुक पोस्ट किया, ''बहुत ही दुखद खबर है। लखनऊ के नौजवान पत्रकार नीलांशू शुक्ला जी हमारे बीच नहीं रहे। वो कई दिनों से कोरोना से लड़ाई लड़ रहे थे। प्रियंका ने कहा, ''नीलांशू शुक्ला जी एक होनहार पत्रकार थे। कई बार मैंने स्वयं उन्हें कार्य करते देखा है। भावभीनी श्रद्धांजलि। ईश्वर इस दुख की घड़ी में उनके परिजन को कष्ट सहने का साहस दें। उन्होंने कहा, ''मैंने पहले भी इस मुद्दे को उठाया था कि पत्रकार साथी इस संकट के समय में सूचनाएं देने का महत्वपूर्ण कार्य कर रहे हैं। उप्र सरकार को नीलांशू शुक्ला जी के परिवार को आर्थिक मदद व सभी पत्रकारों को बीमा कवर देना चाहिए।

अतिक्रमण के नाम पर हरिद्वार में रविदास मंदिर तोड़ा जाना निंदनीय

लखनऊ, संवाददाता। हरिद्वार में रविदास मंदिर तोड़े जाने पर बसपा प्रमुख मायावती ने कड़ी नाजरजगी जताई है। बसपा ने ट्वीट कर कहा कि अतिक्रमण हटाने के नाम पर धार्मिक नगरी हरिद्वार में संत रविदास का मंदिर तोड़े जाना निंदनीय है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार धर्म के अनुवाईयों से शीघ्र वार्ता कर इसका हल निकाले। गौरतलब है कि रविदास का मंदिर तोड़े जाने को लेकर भीम आर्मी ने भी अपनी नाराजगी व्यक्त कर चुकी है। भीम आर्मी ने कहा कि यदि सरकार इसका हल नहीं निकलती है। तो भीम आर्मी आन्दोलन करने के लिए बाध्य होगा। वहीं अब बसपा प्रमुख ने भी अतिक्रमण के नाम पर मंदिर तोड़े जाने की कड़ी निंदा की है।

घर में लगी भीषण आग, लाखों की संपत्ति जलकर राख

लखनऊ, संवाददाता। राजधानी लखनऊ के इंदिरा नगर के गाजीपुर थाना क्षेत्र स्थित सेक्टर-15 में मंगलवार तड़के भोर एक घर में भीषण आग लग गई, जिससे मकान में अफरा तफरी मच गई। मकान में सोए पूरे परिवार ने बाहर निकलकर जान बचाई। लेकिन फिर भी कुछ लोग मकान के अंदर ही रह गए। घर को जलता देख आस पास के लोगों की भीड़ इकट्ठी हो गई। सूचना मिलने के बाद घटना स्थल पर पुलिस और फायर बिग्रेड की गाड़ियां मौके पर पहुंची। मौके पर पहुंचे पुलिस और फायर ब्रिगेड कर्मियों ने घर मे फंसे लोगों को सुरक्षित बाहर निकाला। फायर बिग्रेड की गाड़ियों ने कड़ी मशक्कत कर आग पर काबू पाया। आग इतनी भीषण थी, कि पल भर में लाखों का सामान जलकर राख हो गया। पीड़ित परिवार के सामने रोजी रोटी और मकान का संकट खड़ा हो गया है। पुलिस से मिली जानकारी के मुताबिक आज तड़के भोर में सभी परिवार अपने अपने कमरे सो रहे थे। तभी अचानक अज्ञात कारणों से घर में आग लग गई। घर में लगी आग इतनी तेज थी कि पूरा दुसरा मंजिल धू-धू करके जलने लगा। आग से हुए नुकसान का आंकलन हो रहा है। प्रारंभिक तौर पर लाखों का नुकसान होने की संभावना है।

डॉ कफील खान निर्णय पर निलंबन मुआवजा की मांग

लखनऊ, संवाददाता। सामाजिक कार्यकर्ता नूतन ठाकुर ने मंगलवार को कहा डॉ कफील खान के एनएसए मामले में उनकी मां डॉ नुजहत परवीन द्वारा दायर याचिका में इलाहाबाद हाई कोर्ट के निर्णय के बाद मेरी निम्न मांग है, जानबूझ कर राजनैतिक दवाब में मात्र फंसाने के उद्देश्य से गलत ढंग से एनएसए की संस्तुति करने वाले एसएसपी अलीगढ सहित अलीगढ के सभी संबंधित पुलिस अफसरों तथा एनएसए लगाने एवं इसकी अवधि बढ़ाने वाले सभी डीएम अलीगढ को निलंबित कर उनके खिलाफविभागीय कार्यवाही की जाये। डॉ कफील खान को गलत ढंग से एनएसए लगा कर प्रताड़ित किये जाने के लिए उन्हें एक करोड़ रुपये का मुआवजा दिया जाये।

एमिटी विश्वविद्यालय लखनऊ परिसर के नए सत्र का ऑनलाइन शुभारम्भ

लखनऊ, संवाददाता। एमिटी विश्वविद्यालय लखनऊ परिसर द्वारा आज से अपने पोस्ट ग्रेजुएट और अंडर ग्रेजुएट पाठ्यक्रमों के नए सत्र का हवन पूजन के साथ विधिवत शुभारम्भ किया गया। इन सभी पाठ्यक्रमों के लिए कक्षाओं का संचालन आनलाइन माध्यम से किया जाएगा। इस अवसर पर विश्वविद्यालय प्रांगण में सभी विभागाध्यक्षों की उपस्थिति में हवन पूजन का कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में सभी ने सरकार द्वारा जारी कोविड19 सुरक्षा मानकों और समाजिक दूरी का पालन करते हुए नए सत्र के सफलतापूर्वक संचालित होने और विश्व के जल्दी ही कोरोना मुक्त होने हेतु प्रार्थना की गई। इसके उपरान्त ऑनलाइन ओरियंटेशन कार्यक्रम का आयोजन भी किया गया जिसमें प्रति कुलपति एमिटी विवि लखनऊ परिसर डा. सुनील धनेश्वर ने सभी छात्रों और संकाय सदस्यों को नए सत्र हेतु शुभकामनाएं देते हुए कहा कि, एमिटी विवि लखनऊ परिसर उन सबसे पहले शिक्षण संस्थानों में से है जिसने लाक डाउन आरम्भ होने के महज दूसरे दिन से ही ऑनलाइन कक्षाओं का संचालन शुरू कर दिया था। हमारे सभी पाठ्यक्रमों की परीक्षाएं एवं परिणाम भी बिना किसी अवरोध समय से पूर्ण हुए। अब एमिटी सबसे पहले नए सत्र का शुभारम्भ कर रहा है जिससे कि छात्रों के भविष्य पर कोरोना की आंच न आए।कार्यक्रम में सहायक प्रति कुलपति विंग कामांडर अनिल तिवारी, डीन शोधकार्य (विज्ञान एवं तकनीकि) डा. सुनीला धनेश्वर, डीन छात्र कल्याण प्रोफेसर मंजू अग्रवाल, डीन आकादमिक डा. राजेश तिवारी सहित सभी विभागों के विभागाध्यक्ष उपस्थित रहे।

संविदा कर्मियोंका मानदेय बढ़ाए जाने की मांग

लखनऊ, संवाददाता। राज्य कर्मचारी संयुक्त परिषद उत्तर प्रदेश अध्यक्ष जेएन तिवारी ने उत्तर प्रदेश मुख्य सचिव को लिखे पत्र में मंगलवार को कोविड-19 की जांच एवं उपचार में लगे हुए संविदा लैब टेक्नीशियन एवं नर्सेज का मानदेय संशोधित किए जाने के संबंध में। मांग करते हुए कहा हैं कि कोविड-19 का प्रकोप लगातार बढ़ता जा रहा है। प्रदेश में अद्यतन 235757 से भी अधिक कोरोना पॉजिटिव रोगी चिन्हित किए जा चुके हैं, जिनमें से सक्रिय रोगियों की संख्या 55538 है। कोरोना से प्रदेश में 3542 धनात्मक रोगियों की मृत्यु भी हो चुकी है। प्रदेश के चिकित्सालयों में कोविड-19 की जांच एवं उपचार की संपूर्ण व्यवस्था चिकित्सालय में तैनात कर्मचारियों द्वारा की जा रही है। इस कोरोना संकटकाल में निजी क्षेत्रों के चिकित्सालय एवं कर्मी सब अपना शटर बंद कर पलायन कर चुके हैं। ऐसे में सरकारी अस्पतालों के कर्मचारी ही अपनी जान जोखिम में डालकर कोरोना नियंत्रण में जी जान से लगे हुए हैं। प्रदेश में अब तक 700 से अधिक चिकित्सा विभाग के कर्मचारी कोरोना की चपेट में आ चुके हैं। कोविड-19 की जांच में जो कर्मी लगाए गए हैं, उनमें अधिकांश संविदा कर्मचारी ही हैं। नियमित कर्मचारियों से कहीं अधिक संख्या में संविदा कर्मचारी कोविड की जांच एवं उपचार में लगे हुए हैं। लैब टेक्नीशियन एवं नर्सेज कोरोना नियंत्रण में अहम भूमिका निभा रहे हैं। जहां लैब टेक्नीशियन का काम कोरोना मरीजों की जांच कर उनको चिन्हित करना है, वही नर्सेज का काम नर्सिंग केयर के माध्यम से पॉजिटिव मरीजों के इलाज की संपूर्ण व्यवस्था करना है। इन दोनों कार्यों में लैब टेक्नीशियन एवं नर्सेज संवर्ग के नियमित कर्मचारी पर्यवेक्षण की भूमिका में हैं जबकि संविदा पर कार्य कर रहे लैब टेक्नीशियन, नर्सेज सीधे कोरोना मरीजों के संपर्क में हैं एवं उनकी जांच तथा उपचार में लगे हुए हैं। उत्तर प्रदेश में संविदा पर कार्य करने वाले लैब टेक्नीशियन ते10000 से 14000 मानदेय पर कार्य कर रहे हैं जबकि नर्सेज को 15000 से 21000 तक का मानदेय मिल रहा है। संविदा पर कार्य करने वाले लैब टेक्नीशियन, नर्सेज कार्य एवं उत्तरदायित्व के परिपेक्ष्य में नियमित पदों पर कार्य करने वाले लैब टेक्नीशियन एवं नर्सेज की तुलना में कहीं से भी कमतर नहीं है। दोनों का कार्य समान है। यदि व्यावहारिक रूप में देखा जाए तो कोरोना नियंत्रण के कार्यों में केवल संविदा कर्मी ही लगे हुए हैं।

कर्मचारी नेता वली उल्ला खां का निधन

लखनऊ, संवाददाता। राज्य कर्मचारी संयुक्त परिषद उत्तर प्रदेश की आपात बैठक गिरीश चंद्र मिश्र वरिष्ठ उपाध्यक्ष की अध्यक्षता में हुई जिसमें परिषद के वयोवृद्ध एवं संघर्षशील जुझारू नेता वली उल्ला खां का दिनाँक 31 अगस्त को सहारा अस्पताल में 07.30 बजे आकस्मिक निधन पर शोक व्यक्त किया तथा ईश्वर से प्रार्थना की गई कि उनकी आत्मा को शांति प्रदान करें तथा उनके शोक संतृप्त परिवार को इस वज्रपात को सहन करने की शक्ति प्रदान करें। बैठक में उपस्थित परिषद के पूर्व अध्यक्ष एवं वर्तमान में इप्सेफ के राष्ट्रीय अध्यक्ष वी पी मिश्र ने बताया कि श्री खान साहब राजकीय जुबली इंटर कॉलेज के प्रधानध्यापक पद से सेवानिवृत्त हुए और परिषद के मजबूत स्तंभ थे। वे परिषद की लखनऊ शाखा के अध्यक्ष, मंत्री तथा प्रदेश के उपाध्यक्ष थे। उनके प्रयास से लखनऊ में परिषद सशक्त हुई थी। वे राजकीय शिक्षक संघ उत्तर प्रदेश के आजीवन संरक्षक रहे।

प्रधानमंत्री फसल बीमा योजनान्तर्गत प्रदेश के 16.92 लाख किसानों को 1388.40 करोड़ रूपये दी गई क्षतिपूर्ति

लखनऊ, संवाददाता। किसानों के हित में प्रदेश सरकार अनेकों कल्याणकारी एवं फसलोत्पादन में लाभकारी योजनाएं संचालित कर उनकी आय दोगुनी करने में भरपूर सहयोग दे रही है। किसान वर्ष भर मेहनत कर खेत की जुताई, बुआई, निकाई सिंचाई एवं खाद डालकर फसल तैयार करता है। फसलों में विशेषकर खरीफ व रबी की फसले होती है। खेती किसानी में किसान के पूरे परिवार की मेहनत लगती है। समर्पित एवं कड़ी मेहनत करते हुए परिवार को अच्छे ढंग से पालन पोषण की आशा बनाये रखकर किसान फसल तैयार करता है। किन्तु यदि अधिक वर्षा,आँधी तूफान, पाला, बर्फबारी, ओले, कीट, फसली रोगों, आग आदि जैसी आपदा आ गई और फसल नष्ट हुई, तो किसान की पूरी मेहनत और लागत बरबाद हो जाती है। ऐसी स्थिति में किसान सड़क पर

आ जाता है, उसकी समस्त कमाई नष्ट हो जाती है। सिर पर हाथ रखकर रोने के सिवा किसान के पास कुछ नहीं होता था। ऐसी स्थितियों को दृष्टिगत रखते हुए किसानों की आपदा के दौरान नष्ट हुई फसल की क्षतिपूर्ति करने और किसानों को सम्बल प्रदान करने के लिए ही भारत सरकार के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना का जनवरी 2016 से शुभारम्भ किया है। इस योजना के लागू होने से किसानों को बड़ी राहत मिली है। जो किसान ऋण, उधार पैसे लेकर खेती में लगाते थे, उन्हें इस योजना से बड़ा फायदा हो रहा है तथा उनकी आय में स्थायित्व भी आ रहा है। भारत सरकार की यह योजना उत्तर प्रदेश के समस्त जिलों में ग्राम पंचायत स्तर पर लागू किया गया है। इस योजना में ऋणी कृषक अनिवार्य रूप से तथा अन्य कृषक स्वैच्छिक आधार पर सम्मिलित किये गये है। बीमित राशि को फसल के उत्पादन लागत के बराबर जनपद स्तर पर अधिसूचित किया गया है। सभी फसलों हेतु वास्तविक प्रीमियर दर पर लागू किये गये है। प्रीमियम मद में कृषक की देयता को खरीफफसल में अधिकतम दो प्रतिशत तथा रबी फसल में अधिकतम 1.5 प्रतिशत निर्धारित किया गया है। नकदी व औद्यानिकी हेतु प्रीमियम मद में कृषक की देयता अधिकतम 05 प्रतिशत निर्धारित किया गया है। कृषक द्वारा वहन किये जाने वाले प्रीमियर अंश से अधिक व वास्तविक प्रीमियर दर के अन्तर की समस्त धनराशि को अनुदान के रूप में केन्द्र व राज्य द्वारा बराबर वहन किया जाता है। प्रदेश के प्रत्येक जनपद में फसल की उत्पादन लागत के अनुरूप बीमित राशि निर्धारित की गई है। प्रदेश सरकार प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना का लाभ सभी इच्छुक एवं जरूरतमंद किसानों तक पहुंचाते हुए क्षतिपूर्ति की धनराशि किसानों को समय से उपलब्ध करा रही है। इस योजनान्तर्गत वर्ष 2017-18 के खरीफ 2017 में 25.81 लाख बीमित कृषकों द्वारा 23.83 लाख हे0 क्षेत्र में फसलों का बीमा कराया गया जिसमें से योजना के प्राविधानों के अनुरूप 4.01 लाख कृषकों को रू0 244.86 करोड़ की क्षतिपूर्ति का भुगतान किया गया। रबी 2017-18 में योजनान्तर्गत 28.39 लाख बीमित कृषकों द्वारा 23.24 लाख हे0 क्षेत्र में फसलों का बीमा कराया गया जिसमें 1.88 लाख कृषकों को रू0 129.12 करोड़ की क्षतिपूर्ति का भुगतान किया गया।

पितरों के लिए किया गया कर्म ही श्राद्ध है

लखनऊ, संवाददाता। भाग-दौड़ भरी जिंदगी में अक्सर कुछ 'चीजें' पीछे छूट जाती हैं तो कुछ विशेष मौकों को याद रखना हम भूल जाते हैं, जबकि सामाजिक और धार्मिक प्राणी होने के नाते ऐसी बातों और चीजों को हमेशा याद रखना चाहिए। अक्सर देखा जाता है कि आप अपने प्रिय मित्र या रिश्तेदार को या फिर घर वालों को उनके जन्मदिन-शादी की वर्षगांठ आदि मौकों पर बधाई नहीं देते हैं तो लोग नाराज हो जाते हैं, लेकिन वह 'लोग' क्या करें जिनकी वजह से आप जिंदगी में कई 'मुकाम' तो हासिल करते हैं,परंतु उनको याद नहीं रखते हैं। बात हमारे पूर्वजों की हो रही है,जो भले आज इस दुनिया में नहीं हो,लेकिन उनके ऋण से कभी मुक्त नहीं हो सकते हैं। ऐसे महान पूर्वजों को हम भले भूल जाएं,लेकिन हमारे धर्म की खूबी है कि वह हमें पूर्वजों के ऋण से मुक्त नहीं होने देता है। इसी लिए धार्मिक तौर तरीकों से श्रद्धा पक्ष में अपने पूर्वजों को याद करके उन्हें श्रद्धांजलि देते हैं। एक तरह से श्राद्ध पक्ष पूर्वजों के प्रति सच्ची श्रद्धा का प्रतीक है। पितरों के निमित्त विधिपूर्वक जो कर्म श्रद्धा से किया जाता है, उसे ही 'श्राद्ध' कहते हैं। अबकी बार दो सितंबर से श्राद्ध शुरू हो रहे हैं। हिन्दू धर्म के अनुसार,प्रत्येक शुभ कार्य के प्रारम्भ में माता-पिता, पूर्वजों को नमस्कार या प्रणाम करना हमारा कर्तव्य है। हमारे पूर्वजों की वंश परम्परा के कारण ही हम आज यह जीवन देख रहे हैं, इस जीवन का आनंद प्राप्त कर रहे हैं। इस धर्म में, ऋषियों ने वर्ष में एक पक्ष को पितृपक्ष का नाम दिया, जिस पक्ष में हम अपने पितरेश्वरों का श्राद्ध, तर्पण, मुक्ति हेतु विशेष क्रिया संपन्न कर उन्हें अर्घ्य समर्पित करते हैं। यदि किसी कारण से उनकी आत्मा को मुक्ति प्रदान नहीं हुई है तो श्राद्ध पक्ष में हम उनकी शांति के लिए विशिष्ट कर्म करते हैं। ब्रह्म पुराण ने श्राद्ध की परिभाषा इस प्रकार की है,'जो कुछ उचित काल, पात्र एवं स्थान के अनुसार उचित (शास्त्रानुमोदित) विधि द्वारा पितरों को लक्ष्य करके श्रद्धापूर्वकब्राह्मणों को दिया जाता है, वह श्राद्ध कहलाता है।' श्राद्ध-कर्म में पके हुए चावल, दूध और तिल को मिश्रित करके पिण्ड बनाते हैं, पिण्ड का अर्थ है शरीर। यह एक पारंपरिक विश्वास है, जिसे विज्ञान भी मानता है कि हर पीढ़ी के भीतर मातृकुल तथा पितृकुल दोनों में पहले की पीढ़ियों के समन्वित 'गुणसूत्र' उपस्थित होते हैं। चावल के पिण्ड जो पिता, दादा, परदादा और पितामह के शरीरों का प्रतीक हैं, आपस में मिलकर फिर अलग बाँटते हैं। यह प्रतीकात्मक अनुष्ठान जिन जिन लोगों के गुणसूत्र(जीन्स) श्राद्ध करने वाले की अपनी देह में हैं, उनकी तृप्ति के लिए होता है। हमारे धर्म ग्रन्थों में भी दैनिक पंच यज्ञों में पितृ यज्ञ को खास बताया गया है। इसमें तर्पण और समय-समय पर पिण्डदान भी सम्मिलित है। पूरे पितृपक्ष भर तर्पण आदि करना चाहिए। इस दौरान कोई अन्य शुभ कार्य या नया कार्य अथवा पूजा-पाठ अनुष्ठान सम्बन्धी नया काम नहीं किया जाता। साथ ही श्राद्ध नियमों का विशेष पालन करना चाहिए। परन्तु नित्य कर्म तथा देवताओं की नित्य पूजा जो पहले से होती आ रही है, उसको बन्द नहीं करना चाहिए।जन्म एवं मृत्यु का रहस्य अत्यन्त गूढ़ है।

जीएसटी मुआवजे के लिए राज्यों के समक्ष सीमित विकल्प

27 अगस्त को संपन्न जीएसटी कौंसिल की 41वीं बैठक में केन्द्र सरकार द्वारा जीएसटी लागू होने से राजस्व में कमी होने वाले राज्यों को वर्ष 2020-21 के लिए देय धनराशि की अभी तक पहली किश्त का भी भुगतान न किए जाने पर उन राज्यों ने नाराजगी व्यक्त की है। दरअसल जीएसटी क्षतिपूर्ति राशि की पहली किस्त राज्यों को न मिल पाने को देखते हुए 26 अगस्त को कांग्रेसाध्यक्ष सोनिया गांधी द्वारा एनडीए विरोधी शासित राज्यों के मुख्यमंत्रियों की बैठक में सर्वसम्मति से केन्द्र सरकार के रवैये की आलोचना करने का निर्णय ले लिया गया था। यही कारण है कि महाराष्ट्र सरीखे उच्च राज्य जीएसटी संग्रह वाले राज्यों ने भी केन्द्र की आलोचना की। मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे ने कहा कि यदि केन्द्र राज्यों को समय पर क्षतिपूर्ति राशि का भुगतान नहीं कर सकता तो उसे जीएसटी को समाप्त कर राज्यों को बिक्री कर एवं अन्य राजकीय करों के निर्धारण एवं वसूली की स्वतंत्रता दे देनी चाहिए। केन्द्र सरकार द्वारा राज्य सरकारों को वर्ष 2020-21 के लिए 3.12 लाख करोड़ रुपये जीएसटी क्षतिपूर्ति राशि देना होगा। हर वर्ष की भांति चालू वर्ष में भी किस्तों में भुगतान के अंतर्गत जून माह तक भुगतान अपेक्षित था। किंतु केन्द्र सरकार अप्रैल के बाद राज्यों को एक किस्त का भी भुगतान नहीं कर पाई है। इसका मुख्य कारण अप्रैल और मई माह में पूर्ण लॉक डाउन के कारण जीएसटी संग्रह अपेक्षित नहीं था। हालांकि वर्ष 2019-20 की राज्यों को देय सम्पूर्ण बकाया राशि 1.65 लाख करोड़ रुपए का भुगतान केन्द्र सरकार द्वारा कर दिया है। पिछले साल केन्द्र सरकार ने जीएसटी उपकर आरोपित करके 95 हजार करोड़ रुपए धनराशि का संग्रह किया था। जीएसटी कौंसिल की पिछली बैठक में कुछ राज्यों ने जीएसटी की क्षतिपूर्ति की किस्तों का भुगतान समय पर करने के लिए केन्द्र सरकार की संचित निधि से भुगतान की सलाह दी थी। 27 अगस्त की बैठक में राजस्व सचिव ने बताया कि कानून के अनुसार उस आरक्षित संचित निधि से जीएसटी मुवाअजा का भुगतान संभव नहीं है। 2017 में जीएसटी एक्ट पारित करके लागू कर दिया गया था। इस एक्ट में एक महत्वपूर्ण प्रावधान यह था कि यदि वर्ष 2022 के पूर्व तक किसी राज्य

का जीएसटी राशि संग्रह वर्ष 2015-16 के राज्य के अप्रत्यक्ष कर राजस्व संग्रह से कम रहता है तो उस राज्य की राजस्व की भरपाई केन्द्र सरकार करेगी। एक साल बाद केन्द्र सरकार ने जीएसटी क्षतिपूर्ति भुगतान हेतु जीएसटी क्षतिपूर्ति उपकर भी आरोपित किया। पिछले साल लगभग 95 हजार करोड़ रुपए क्षतिपूर्ति उपकर की वसूली हुई थी। पिछले साल तक सबकुछ ठीक ठाक चल रहा था, किंतु कोरोना कोविड-19 के भारत में संक्रमण रोकने के लिए सरकार द्वारा लॉकडाउन लागू करते ही जीएसटी संग्रहण का सारा गणित डगमगा गया। वित्त मंत्रालय के अनुसार वर्ष 2020-21 में जीएसटी राजस्व संग्रह में 2.35 लाख करोड़ रुपए की कमी रहने की संभावना है जिसमें से जीएसटी क्रियान्वयन की वजह से 97,000 करोड़ रुपए तथा शेष 138 लाख करोड़ की कमी कोरोना महामारी के कारण कुल राजस्व में होने वाली है। जीएसटी राजस्व में कमीवाले राज्यों को जीएसटी क्षतिपूर्ति भुगतान जीएसटी फंड से किया जाना है, जिसमें चालू साल के पहले दो महीनों में जीएसटी संग्रह शून्य रहा है। अगले महीनों में धीरे-धीरे संग्रह प्रारंभ हो सकेगा। 27 अगस्त की वर्चुअल बैठक वित्तमंत्री निर्मला सीतारमण ने बैठक में स्पष्ट कर दिया कि वर्तमान परिस्थितियों केन्द्र द्वारा राज्यों को क्षतिपूर्ति भुगतान संभव नहीं है। इसलिए उन्होंने राज्यों को सलाह दी कि कुछ महीनों के लिए वे कर्ज लेकर अपना काम चलाएं। राज्यों का कहना था कि चूंकि केन्द्र की तुलना में राज्यों के लिए कर्ज लेना मंहगा और कठिन होता है इसलिए केन्द्र सरकार को ही कर्ज लेकर राज्यों की जीएसटी राशि की कमी की क्षतिपूर्ति करना चाहिए। इस पर चर्चा के उपरांत वित्तमंत्री निर्मला सीतारमण ने राज्यों के समक्ष दो विकल्प रखे। पहला, केन्द्र द्वारा राज्यों को भारतीय रिजर्व बैंक से बहुत नीची ब्याज दर पर 97 हजार करोड़ रुपये स्पेशल कर्ज दिलवाने का विकल्प एवं दूसरा, यह कि राज्यों को 2.36 लाख करोड़ रुपये की पूरी जीएसटी राजस्व अन्तर राशि को भारतीय रिजर्व बैंक कर्ज की मदद से स्वयं वहन करने का विकल्प। राज्यों को भय है कि यदि वे जीएसटी राजस्व के लिए स्वयं कर्ज लेते हैं तो एफआर.बी.एम. एक्ट के प्रावधानों के अनुसार उनका कर्ज उनकी जीएसडीपी से कर्ज के 25 प्रतिशत की सीमा से भी अधिक हो जाएगा। पंजाब, केरल, राजस्थान, बिहार, पश्चिम बंगाल इन राज्यों का जीएसडीपी कर्ज अनुपात पहले से ही 25 प्रतिशत से अधिक बढ़ा हुआ है। चालू साल में राज्यों की जीएसडीपी से कर्ज का अनुपात इस लिए भी बढ़ना तयशुदा है क्योंकि चालू साल में लॉकडाउन के कारण राज्यों की जीएसडीपी में गिरावट की संभावना है।

राज्यों की हिचकिचाहट को दूर करने के लिए हुए वित्तमंत्री ने आश्वासन दिया कि चालू साल में यदि जीएसटी राजस्व में कमी को देखते हुए कर्ज लिया जाता है तो एफआर.बी.एम. की 25 प्रतिशत सीमा शिथिल मानी जाएगी। फिलहाल राज्यों ने वित्तमंत्री द्वारा सुझाए गए दोनों विकल्पों पर विचार करके उत्तर देने के लिए 7 दिन का समय मांगा है, जिसे वित्तमंत्री द्वारा स्वीकार कर लिया गया है। एफआर.बी.एम. एक्ट का सबसे महत्वपूर्ण प्रावधान है कि राज्यों का राजकोषीय घाटा उनकी जीएसडीपी के 3 प्रतिशत से अधिक नहीं होना चाहिए। मेरा आकलन है कि कोरोनाजनित लॉकडाउन के कारण के चालू वर्ष में एक ओर तो राज्यों की राशि प्राप्तियां कम रहेंगी तो दूसरी ओर उनके राजस्व और पूंजीगत व्यय बढ़े रहेंगे इस कारण उनका जीएसडीपी राजकोषीय घाटा अनुपात औसतन 4 प्रतिशत तक पहुंच सकता है। फिलहाल वित्तमंत्री निर्मला सीतारमण ने राज्यों को दो विकल्प दिए हैं जिनका उत्तर 3 सितंबर तक देना हैं। वैसे विरोधी दलों के पास कुछ मुख्यमत्रियों द्वारा सुझाया गया तीसरा विकल्प भी है जिसके अनुसार राज्य सरकारों को केन्द्र सरकार की वादाखिलापी के विरूद्ध सर्वोच्च न्यायालय में याचिका दायर करके न्यायालय से जीएसटी क्षतिपूर्ति की राशि की पहली किस्त जारी करवाने का अनुरोध करना चाहिए। यह आधार इतना अधिक मजबूत है कि यदि कोई भी राज्य सर्वोच्च न्यायालय में याचिका दायर करता है तो निर्णय राज्यों के पक्ष में ही जाने की संभावना है। जहां तक महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे की जीएसटी व्यवस्था समाप्त करके पुरानी बिक्री कर प्रधान कर व्यवस्था को लौटने की मांग है, वास्तविकता में इस मांग से अधिकांश राज्यों के मुख्यमंत्री भी सहमत नहीं होंगे।

सम्पादकीय

गांधी परिवार की कांग्रेस

कांग्रेस पार्टी अपने दारुण दौर से गुजर रही

इसे मानें या न मानें.यह परिहास लग सकता है, लेकिन यह राजनीतिक सच्चाई है. वे मत हासिल करने में असफल रहे. फिर भी, उनके पक्ष में सर्वाधिक आवाजें और शोर है. वे खबरों में राजनीतिक तौर पर अति-सक्रियता की वजह से नहीं हैं, बल्कि गांधी परिवार अपनी निष्क्रियता की वजह से शक्तिशाली है. अधर में पड़ी 135 साल पुरानी कांग्रेस में वे शायद ही कोई राजनीतिक सरगर्मी ला सकते हैं. सत्ता खोने के बावजूद गांधी परिवार कांग्रेस को बना और बिगाड़ सकता है तथा वैचारिक व जनांकिकी ढांचे को बदल सकता है. जब भी उन्हें चुनौती दी गयी, विरोधियों को रौंदते हुए वे जीत के साथ वापस आये हैं. पिछले हफ्ते भी इतिहास ने खुद को दोहराया. दो दर्जन पुराने कांग्रेसी नेताओं ने साम्राज्य को हिलाने का निर्णय किया. उनमें से कुछ पूर्व मुख्यमंत्री और केंद्रीय मंत्री रह चुके हैं. उन्होंने सोचा कि अब पार्टी और नेतृत्व को नींद से जगाया जाये. वे सक्रिय आत्ममूल्यांकन और प्रभावी नेतृत्व चाहते हैं, जो दिखने के साथ जमीन पर भी सक्रिय हो. वे अपनी राज्य सरकारों के लगातार अपमान और पतन से व्याकुल एवं आक्रोशित थे. पहुंच से बाहर सोनिया और कभी-कभार दिखनेवाले राहुल गांधी के कारण कांग्रेस नेता अनाथ महसूस कर रहे थे. अंधकारमय राजनीतिक भविष्य उन्हें बेचैन कर रहा था. लेकिन, गांधी परिवार के लिए यह एक अन्य कठिन दौर है, जो बीत जायेगा. उनके लिए सामूहिक नेतृत्व का सिद्धांत अभिशाप है. साल 1969 में पार्टी के प्रथम विभाजन के बाद इंदिरा गांधी ने पार्टी को परिवारिक स्वामित्व वाली राजनीतिक इकाई बना दिया. वंशवादी ढांचे को चुनौती देनेवाले हर असंतुष्ट को बेरहमी से कुचल दिया गया. इंदिरा नपी-तुली और दूरदर्शी अभिभावक थीं, जिन्होंने ऐसा सांगठनिक एल्गोरिदम लिखा, जो कांग्रेस में गांधी परिवार का हर मामले में वर्चस्व सुनिश्चित करता है. पार्टी या सरकार में शीर्ष नेतृत्व हेतु राजनीतिक अनुभव उनके लिए अनिवार्य योग्यता नहीं थी. कांग्रेस नेताओं के समूह ने 20 साल बाद परिवार के प्रभुत्व और संगठन के बीच असंतुलन को सही करने का प्रयास किया था. उनमें से सभी गांधी परिवार की दरियादिली के लाभार्थी रहे हैं. लेकिन, जब वे गांधी देवों के खिलाफ खड़े हुए, तो उन्हें गद्दार घोषित कर दिया गया और भाजपा समर्थक कहा गया. जबकि, किसी का भी संघ परिवार से वास्ता नहीं है. गांधी परिवार और समर्थक असली श्रीमती गांधी के फार्मूले, जिसमें पहला शांत रहने की धमकी और फिर वफादारों के माध्यम से न केवल पार्टी, बल्कि राष्ट्र को बचाने के लिए गांधी परिवार के नेतृत्व की वकालत करते हैं. बीते पांच दशकों में कांग्रेस कार्यसमिति (सीडब्ल्यूसी) या अखिल भारतीय कांग्रेस समिति (एआइसीसी) द्वारा पास प्रस्तावों का उद्देश्य और भावना एक जैसी ही है. वे शुरुआत करते हैं कि कैसे कांग्रेस ने भारत को बर्बादी से निकाला और उसका अंत नेहरू और गांधीवाद की चापलूसी से होता है. पिछले हफ्ते भी गुटबाजी कसीदे वाले भाषणों के साथ समाप्त हो गयी. आश्चर्यजनक है कि गांधी परिवार की प्रशंसा वाला समाधान पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह द्वारा बढ़ाया गया. पत्र लिखनेवाले नेताओं को चेतावनी देने के साथ सोनिया और राहुल गांधी के हाथों को मजबूत करने का संकल्प दोहराया गया. कहा गया कि इस नाजुक घड़ी में किसी को भी कांग्रेस को कमजोर करने की इजाजत नहीं दी जा सकती या दी जायेगी. यद्यपि सोनिया गांधी ने इस्तीफे की पेशकश की थी, उन्हें नये अध्यक्ष के लिए अगले एआइसीसी सत्र के आयोजन तक रुकना है. इस बीच, राहुल गांधी के ताजपोशी के भी राग को अलापा गया. भारत की दूसरी सबसे बड़ी पार्टी पर राजवंश का स्थायी रूप से हावी होना तय है. पिछले 40 वर्षों में जब भी गैर- गांधी परिवार के हाथ में पार्टी का नेतृत्व रहा, पार्टी में शांति नहीं रही. जब 1984 में इंदिरा गांधी की हत्या हुई, तो उनके पुत्र राजीव गांधी को प्रधानमंत्री के साथ-साथ कांग्रेस का भी अध्यक्ष भी बनाया गया. चार साल के भीतर ही वीपी सिंह के नेतृत्व में उनके खिलाफ विरोध उभरा. उन्होंने लोकप्रिय जनादेश खो दिया, लेकिन पार्टी की अध्यक्षता बरकरार रखने में सफल रहे. दुर्भाग्य से, एलटीटीइ ने उनकी हत्या कर दी. एक बार फिर कांग्रेस के एक धड़े ने उनकी विधवा सोनिया गांधी को नेतृत्व सौंपने की वकालत की, लेकिन उन्होंने इनकार कर दिया. संभवतः यह दैवीय हस्तक्षेप था कि सेवानिवृत्त पीवी नरसिम्हा राव की पार्टी अध्यक्ष के रूप में वापसी हुई और वे प्रधानमंत्री भी बने. 13 वर्ष बाद राव के कार्यकाल में एआइसीसी के चुनाव हुए. राव ने पांच वर्ष का कार्यकाल पूरा किया, लेकिन गांधी परिवार के करीबियों से उन्हें हमेशा खतरा बना रहा. वर्ष 1996 में चुनाव हारने के बाद उन्हें अनौपचारिक ढंग से हटा दिया गया और सीताराम केसरी को आगे किया गया. उनकी भी वही गति हुई. विडंबना है कि केसरी ने ही अगस्त, 1997 में सोनिया को पार्टी के प्राथमिक सदस्य के तौर पर नामांकित किया था. आठ महीने के भीतर ही वे कांग्रेस अध्यक्ष बन गयीं. जब शरद पवार और अन्य ने विरोध किया, तो बाहर कर दिया गया. अगले 19 वर्षों तक वे एआइसीसी अध्यक्ष रहीं. दिसबंर, 2017 में उन्होंने मशाल बेटे राहुल गांधी को सौंप दी. लेकिन, लोकसभा में करारी शिकस्त के बाद राहुल ने इस्तीफा दे दिया. दोबारा नेतृत्व उनकी मां सोनिया के पास चला गया. वास्तव में 1991-98 की छोटी अवधि को छोड़कर 24, अकबर रोड कांग्रेस मुख्यालय के मध्य भवन पर गांधी परिवार काबिज रहा है. कांग्रेस की वेबसाइट पर एक पेज है- हमारे प्रेरणास्रोत. इसमें नेहरू और गांधी के अलावा जगजीवन राम और मनमोहन सिंह समेत आठ शख्सियतों की तस्वीरें हैं. लेकिन, राव यहां गायब हैं.

देश की सबसे पुरानी और सबसे ज्यादा समय तक सत्ता में रहने वाली कांग्रेस पार्टी इस समय अपने इतिहास के सबसे दारुण दौर से गुजर रही है। केंद्र सहित कई राज्यों में वह सत्ता से तो बाहर है ही, कुछ राज्यों में तो वह मुख्य विपक्षी दल की हैसियत भी गंवा चुकी है। जिन कुछ राज्यों में वह सत्ता में है, वहां भी उसे जबर्दस्त अंतर्कलह और बगावत का सामना करना पड़ रहा है। कई नेता पार्टी छोड़कर भाजपा में शामिल हो चुके हैं तो कई जाने के लिए तैयार बैठे हैं। पार्टी पिछले छह सालों से विपक्ष में है लेकिन वह मैदानी तौर पर वह विपक्ष की भूमिका में कहीं दिखाई नहीं देती। इस सबकी अहम वजह है कि पार्टी के समक्ष नेतृत्व का गंभीर संकट। कांग्रेस का यह संकट 2014 के चुनाव में उसकी ऐतिहासिक हार के बाद से ही बना हुआ है। उस लोकसभा चुनाव के बाद सोनिया गांधी ने अपनी खराब सेहत की वजह से अध्यक्ष पद छोड़ दिया था और पार्टी की कमान राहुल गांधी ने संभाल ली थी। राहुल ने भी 2019 के चुनाव में मिली करारी हार की जिम्मेदारी लेते हुए अध्यक्ष पद से इस्तीफा दे दिया था। इस्तीफा देते वक्त राहुल ने कहा था कि नया अध्यक्ष उनके परिवार में से नहीं होगा। करीब ढाई महीने की मशक्कत के बाद भी जब पार्टी गांधी परिवार के बाहर के किसी नेता को नया अध्यक्ष नहीं चुन पाई तो उसने सोनिया गांधी से ही नेतृत्व संभालने की गुहार की। तय हुआ कि एक साल के भीतर पार्टी अपना नया अध्यक्ष चुन लेगी और तब तक सोनिया गांधी अंतरिम अध्यक्ष के तौर पर पार्टी की कमान संभालेंगी। पिछले कुछ दिनों से जैसे-जैसे अंतरिम अध्यक्ष के तौर पर सोनिया का कार्यकाल पूरा होने को आ रहा था, वैसे-वैसे पार्टी में नया पूर्णकालिक अध्यक्ष चुनने के लिए आवाजें उठने लगी थीं। इसी सिलसिले में पार्टी के 23 वरिष्ठ नेताओं की ओर से पिछले दिनों एक बड़ी पहल हुई थी। इन नेताओं ने पार्टी की अंतरिम अध्यक्ष को एक पत्र लिखकर अपनी बेचैनी का इजहार करते हुए जल्द से जल्द पूर्णकालिक अध्यक्ष चुने जाने की मांग की थी। इसी मसले पर कांग्रेस कार्यसमिति की बैठक में लंबे विचार-विमर्श और आरोप-प्रत्यारोप के बाद यह तय हुआ कि आगामी छह महीने तक सोनिया गांधी ही अंतरिम अध्यक्ष के तौर पर पार्टी का नेतृत्व करती रहेंगी और इस दौरान पार्टी का राष्ट्रीय अधिवेशन बुलाकर उसमें नया अध्यक्ष चुना जाएगा। पार्टी का नया अध्यक्ष गांधी परिवार से ही कोई होगा फिर कोई अन्य नेता, इस बारे में साफ तौर पर कुछ नहीं कहा, लेकिन कार्यसमिति की बैठक में जिस तरह सभी नेताओं ने अध्यक्ष पद के लिए अपनी पहली पसंद फिर से राहुल को ही बताया, उससे यह तो साबित हो गया कि पार्टी अभी नेतृत्व के सवाल पर गांधी परिवार के बाहर किसी के नाम पर विचार करने को तैयार नहीं है। इसलिए यह लगभग तय है कि राहुल गांधी ही पार्टी के अगले अध्यक्ष होंगे और कांग्रेस अधिवेशन में उनके नाम पर मुहर लगाई जाएगी। दरअसल कांग्रेस को अगर गांधी परिवार के बाहर के ही किसी नेता को अध्यक्ष चुनना होता तो वह यह काम उसी समय कर लेती जब पिछले लोकसभा चुनाव के बाद राहुल गांधी ने इस्तीफा दिया था। हालांकि कुछ नेताओं ने ऐसा करने की कोशिश की भी थी, लेकिन किसी भी नाम पर सहमति नहीं बन पाई थी और सभी इस नतीजे पर पहुंचे थे कि अगर गांधी परिवार के बाहर से किसी नेता को अध्यक्ष बनाया गया तो पार्टी बिखर जाएगी। कहा जा सकता है गांधी परिवार कांग्रेस की मजबूरी है भी और कांग्रेस के लिए जरूरी भी। इसीलिए सोनिया गांधी के लगातार 19 साल पार्टी अध्यक्ष बने रहने के बाद राहुल गांधी को पार्टी की बागडोर सौंपी गई थी। करीब डेढ़ साल अध्यक्ष रहने के बाद राहुल ने जब इस्तीफा दिया तो फिर सोनिया गांधी को ही एक साल के लिए अंतरिम अध्यक्ष बनाया गया और अब एक साल बाद छह महीने के लिए उनका कार्यकाल फिर बढ़ा दिया गया। नेहरू-गांधी परिवार पर कांग्रेस की निर्भरता के लिए राजनीतिक हलकों और मीडिया में अक्सर उसका मजाक भी उड़ाया जाता है। लेकिन हकीकत यही है कि नेहरू गांधी परिवार ही कांग्रेस की असली ताकत और वह तत्व है जो पार्टी को जोड़े रख सकता है। यह स्थिति ठीक वैसी है जैसे भाजपा और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के बीच नाभि-नाल का रिश्ता है। अगर भाजपा से संघ को अलग कर दिया जाए तो भाजपा के वजूद की कल्पना भी नहीं की जा सकती। भाजपा किस हद तक संघ पर आश्रित है या संघ का भाजपा में कितना दखल है, इसके कई उदाहरण दिए जा सकते हैं। वैसे भी अनौपचारिक तौर तो भाजपा को संघ की राजनीतिक शाखा ही माना जाता है। इस सिलसिले में भाजपा के मौजूदा अध्यक्ष की स्थिति को भी देखा जा सकता है। कहने को जेपी नड्डा पार्टी के अध्यक्ष बना दिए गए हैं, लेकिन व्यावहारिक तौर पर पार्टी वैसे ही चल रही है जैसे अमित शाह के अध्यक्ष रहते चल रही थी। पार्टी का प्रचार करने, चुनाव लड़ने और संगठन चलाने का तरीका आदि सब कुछ वैसा चल रहा है, जैसा अमित शाह के अध्यक्ष रहते चलता था। विपक्ष शासित राज्य सरकारों को गिराने या विधायकों को तोड़ने आदि का काम भी पहले की तरह जारी है। फर्क सिर्फ इतना है कि अध्यक्ष की कुर्सी पर अमित शाह की जगह जेपी नड्डा बैठे हैं, जो अध्यक्ष बनने के एक साल बाद भी अपनी पसंद के पदाधिकारियों की नियुक्ति नहीं कर पाए हैं। कांग्रेस में भी कमोबेश यही स्थिति रहना है, भले ही अध्यक्ष कोई भी बन जाए। भाजपा और कांग्रेस की स्थिति में फर्क इतना ही है कि भाजपा और उसका पूर्व संस्करण जनसंघ शुरू से ही संघ की ताकत पर निर्भर रहा है, जबकि कांग्रेस की नेहरू-गांधी परिवार पर निर्भरता का दौर जवाहरलाल नेहरू की मृत्यु और इंदिरा गांधी के प्रधानमंत्री बनने के बाद शुरू हुआ। आजादी के बाद से अब तक कुल 18 कांग्रेस अध्यक्ष हुए हैं, उनमें सिर्फ पांच ही नेहरू-गांधी परिवार के हुए हैं बाकी 13 अध्यक्ष इस परिवार के बाहर से बने हैं। इंदिरा गांधी के प्रधानमंत्री बनने के पहले तक जितने भी कांग्रेस अध्यक्ष नेहरू परिवार से इतर बने वे सभी स्वाधीनता संग्राम के चमकते सितारे और करीब-करीब नेहरू के समकालीन थे। उन सभी ने अध्यक्ष के तौर पर स्वतंत्र रूप से काम किया और नेहरू ने भी कभी उनके काम में अनावश्यक दखलंदाजी नहीं की। लेकिन इंदिरा गांधी के प्रधानमंत्री बनने के बाद स्थिति बदल गई। जगजीवन राम, शंकरदयाल शर्मा और देवकांत बरुआ पार्टी के अध्यक्ष जरूर रहे लेकिन पार्टी में होता कमोबेश वही था, जो इंदिरा गांधी चाहती थीं। 1978 में कांग्रेस के विभाजन के बाद तो उन्होंने खुद ही पार्टी का नेतृत्व संभाला अपने जीवन के अंतिम समय तक वे ही अध्यक्ष रहीं। उनकी मृत्यु के बाद पार्टी की कमान राजीव गांधी के हाथों में आई। वे भी 1985 से 1991 तक मृत्युपर्यंत पार्टी के अध्यक्ष रहे। राजीव गांधी की हत्या के बाद पीवी नरसिंह राव ने पार्टी की कमान संभाली। लंबे अरसे बाद कांग्रेस को ऐसा अध्यक्ष मिला, जो न सिर्फ नेहरू-गांधी परिवार से बाहर का था बल्कि उस परिवार की छाया से भी मुक्त था। नरसिंह राव ने प्रधानमंत्री रहते हुए पार्टी को भी अपनी तरह से चलाया। वे पांच साल तक अध्यक्ष रहे। उनके बाद अध्यक्ष बने सीताराम केसरी यद्यपि दो साल से भी कम समय तक ही पद पर रह सके लेकिन उन्होंने भी अपनी मर्जी के मुताबिक पार्टी को चलाया। उनके बाद सोनिया गांधी ने पार्टी की कमान संभाली और वे पूरे 19 वर्षों तक लगातार पार्टी अध्यक्ष रहीं, जो कि कांग्रेस के 134 वर्षों में एक रिकॉर्ड है। बहरहाल, यह लगभग तय है कि राहुल गांधी ही फिर से कांग्रेस की बागडोर संभालेंगे। अगर किसी कारण से ऐसा नहीं भी होता है और गांधी परिवार के बाहर का कोई नेता अध्यक्ष बनता है तो वह भी गांधी परिवार की छाया से बाहर रह कर काम नहीं करेगा। यानी परोक्ष रूप से पार्टी पर नियंत्रण तो राहुल गांधी का ही रहेगा। यह भी संभव है कि राहुल गांधी पार्टी अध्यक्ष बन जाए और किसी वरिष्ठ नेता को पार्टी का कार्यकारी अध्यक्ष बना दिया जाए, जैसे राजीव गांधी ने अपने समय में पहले कमलापति त्रिपाठी को और फिर बाद में उमाशंकर दीक्षित को पार्टी का कार्यकारी अध्यक्ष बनाया था। हालांकि उन दोनों ही बुजुर्ग नेताओं की स्थिति शो पीस से ज्यादा नहीं थी। इसलिए कहा जा सकता है कि अभी भी चाहे जैसी व्यवस्था हो जाए, पार्टी का नियंता तो गांधी परिवार ही रहेगा।

कोरोना से निबटने में बेहतर है भारत

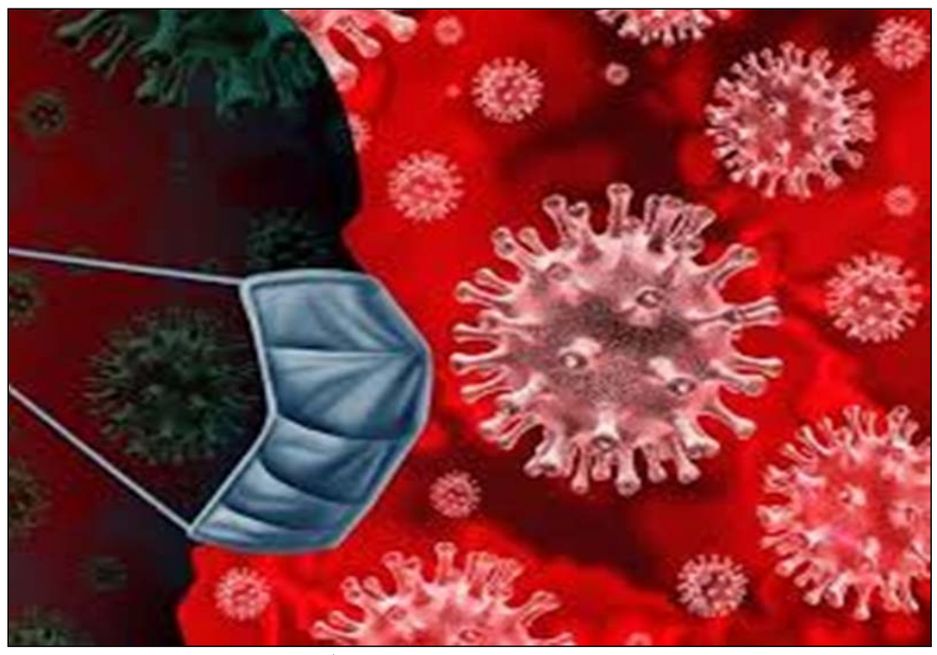

भारत में कोरोना के कारण हुए लॉकडाउन को पांच महीने से ज्यादा हो चुके हैं. यह सही समय है जब हम कोरोना से निबटने में भारत के कार्य निष्पादन का मूल्यांकन करें. दुनिया में अभी तक ढाई करोड के लगभग लोग कोरोना से संक्रमित हो चुके हैं, जिसमें 8.35 लाख से ज्यादा की मौत हुई है. हालांकि बड़ी संख्या में लोग स्वस्थ भी हो रहे हैं. भारत में भी कोरोना संक्रमण से अभी तक लगभग 33.8 लाख से ज्यादा लोग प्रभावित हो चुके हैं और लगभग 61.6 हजार की मृत्यु भी हुई है. अमेरिका की जनसंख्या मात्र 33 करोड़ है, वहां 61 लाख लोग कोरोना से संक्रमित हुए हैं. ब्राजील की जनसंख्या मात्र 21.3 करोड़ है, वहां 37.6 लाख लोग संक्रमित हो चुके हैं. भारत में संक्रमित लोगों की मृत्यु दर 1.83 प्रतिशत है, जबकि अमरीका में यह दर 3.1, ब्राजील में 3.2 और दक्षिण अफ्रीका में 2.1 प्रतिशत है. इटली में तो यह 13.7 प्रतिशत रही. कहा जा सकता है कि कोरोना से निबटने और इस कारण होनेवाली मृत्यु को कम करने में भारत काफी हद तक सफल रहा है. कोरोना का संक्रमण काफी तेजी से फैलता है. इससे बचने के लिए दुनिया के अधिकांश देशों ने लॉकडाउन लागू किया. इससे बीमारी को फैलने से कुछ हद तक रोका जा सका. भारत में कोरोना के खिलाफ जंग का यह तरीका काफी प्रभावी माना जा सकता है. जिस समय विश्व स्वास्थ्य संगठन टेस्टिंग को ही एकमात्र समाधान बता रहा था, भारत सरकार ने लॉकडाउन को ही अपना पहला हथियार बनाया. देश में जब पहली बार जनता कर्फ्यू की घोषणा हुई, तब कोरोना संक्रमितों की संख्या मात्र 360 थी. जब चीन समेत कुछ ही देशों में कोरोना का प्रभाव था, तभी अपने यहां विदेश से आनेवाले यात्रियों की स्क्रीनिंग शुरू हो गयी थी. लॉकडाउन लागू होने से पहले ही 15.5 लाख लोगों की स्क्रीनिंग हो चुकी थी और विदेशों से आने वाले यात्रियों को अनिवार्य रूप से कोरेंटिन करने का कार्य भी शुरू हो चुका था. यह जानते हुए कि हमारे देश की स्वास्थ्य सुविधाएं अमरीका, यूरोप व अन्य विकसित देशों से कमतर हैं और सामुदायिक संक्रमण की स्थिति आने पर उसे संभाला नहीं जा सकेगा, भारत सरकार ने बड़े स्तर पर कोरेंटिन की सुविधा उपलब्ध करायी. ताकि विदेशों से आने वाले यात्रियों से संक्रमण न फैले. सरकार की सोच थी कि इस बीच जो समय मिलेगा, उसका उपयोग टेस्टिंग और इलाज के लिए सुविधाएं विकसित करने के लिए किया जायेगा. ऐसा हुआ भी. मार्च में, देश में कोरोना टेस्टिंग की सुविधा न के बराबर थी, आज देश में लगभग चार करोड़ कोरोना टेस्ट हो चुके हैं और प्रतिदिन आठ से दस लाख टेस्ट हो रहे हैं. टेस्टिंग बढ़ने से कोरोना की वास्तविक स्थिति समझी जा सकती है. टेस्टिंग की गति बढ़ने के बावजूद पिछले 10 दिनों में कोरोना के नये संक्रमण का प्रतिशत दो से 2.5 प्रतिशत तक ही रहा है. एक दिन में जितने नये संक्रमण के मामले आ रहे हैं, लगभग उतने ही अथवा, उससे थोड़े कम लोग स्वस्थ भी हो रहे हैं. प्रधानमंत्री के अनुसार, कोरोना संक्रमितों की मृत्यु दर को एक प्रतिशत तक लाने का लक्ष्य रखा गया है. इस बाबत सफलता भी मिलती दिखायी दे रही है. 9 अगस्त, 2020 को जहां कोरोना मृत्यु दर 2.0 प्रतिशत थी, वह 27 अगस्त, 2020 तक घटकर 1.83 प्रतिशत पर आ गयी.

प्रश्न उठना स्वाभाविक है कि प्रारंभिक तौर पर स्वास्थ्य सुविधाएं कम होने, सरकार के कुल व्यय में स्वास्थ्य सुविधाओं पर कम खर्च ओर कई राज्यों में स्वास्थ्य सुविधाओं की लचर व्यवस्था के बावजूद, भारत में कोरोना से निबटने की रणनीति अन्य देशों की तुलना में क्यों बेहतर रही? कुछ लोगों का मानना है कि भारतीय लोगों में इस संक्रमण के खिलाफ प्रतिरोधक क्षमता अधिक है. भारतीय लोगों में प्रतिरोधक क्षमता ज्यादा होने के कई कारण हो सकते हैं. पहला, प्राकृतिक रूप से यहां के लोगों की संक्रमण के खिलाफ प्रतिरोधक क्षमता अधिक है. दूसरा, कई वैज्ञानिकों का यह भी मानना है कि भारत में जन्म से ही बीसीजी का टीका लगाया जाता है, जिससे जीवनभर के लिए संक्रमण के खिलाफ प्रतिरोधक क्षमता बढ़ जाती है. तीसरा, यहां पहले से ही विभिन्न प्रकार के संक्रमण मौजूद रहे हैं, और उनके खिलाफ लोगों में प्रतिरोधक क्षमता विकसित हो चुकी है. चौथा, भारत में आयुर्वेदिक पद्धति के उपायों का खासा उपयोग हुआ है, जिस कारण लोगों में इस संक्रमण के खिलाफ प्रतिरोधक क्षमता बढ़ गयी. एक रिपोर्ट के अनुसार, एक क्वारंटाइन सेंटर में सभी को आयुर्वेदिक काढ़ा पिलाया गया. इससे वहां के सभी लोग स्वस्थ रहे. लेकिन जहां काढ़ा नहीं पिलाया गया, वहां कोरोना का संक्रमण अधिक देखा गया. यही नहीं, भारत में हाइड्रॉक्सीक्लोरोक्वीन दवा का उपयोग भी बड़ी मात्रा में हुआ, जिस कारण न केवल संक्रमितों को ठीक किया जा सका, बल्कि स्वास्थ्यकर्मियों और अन्य कोरोना योद्धाओं में संक्रमण की संभावनाओं को भी कम किया जा सका. हालांकि, कई देशों में हाइड्रॉक्सीक्लोरोक्वीन के जरूरत से ज्यादा उपयोग के दुष्प्रभाव भी देखने को मिले हैं. स्वास्थ्य सुविधाओं के अभाव और तमाम मुश्किलों के बावजूद, भारत कोरोना से निबटने में शेष दुनिया से कहीं बेहतर स्थिति में रहा. इसका श्रेय देश की अधिकांश जागरूक जनता, कोरोना योद्धा, पुलिस बल और अन्य प्रशासनिक अधिकारियों और कर्मियों को जाता है. केंद्र और राज्य सरकारें भी इसके लिए प्रशंसा की पात्र हैं.

सार समाचार ....

राष्ट्रीय पुरस्कारों के लिए अब शतरंज खिलाड़ियों के नामों पर भी विचार होगा आनंद

लंदन **एजेंसी।** पिछले सात साल से किसी शतरंज खिलाड़ी को अर्जुन पुरस्कार नहीं मिला है। विश्वनाथन आनंद को उम्मीद है कि शतरंज ओलंपियाड में भारतीय टीम के चैंपियन संयुक्त रूप से बनने के बाद अगले साल राष्ट्रीय पुरस्कारों की सूची में इस खेल से जुड़े किसी खिलाड़ी का नाम होगा। रविवार को रूस के साथ संयुक्त रूप से विजेता घोषित होने के बाद आनंद ने कहाए श्मुझे उम्मीद है कि इससे कई सकारात्मक चीजें शुरू होंगीए जिसमें खेल मंत्रालय द्वारा अर्जुन पुरस्कार के लिए पुनर्विचार और शतरंज के लिए द्रोणाचार्य पुरस्कार भी शामिल हैं। बहुत लंबा समय गुजर गया है जब किसी शतरंज खिलाड़ी को यह पुरस्कार मिला हो आनंद खुद भी अर्जुन पुरस्कार के अलावा देश के सर्वोच्च खेल पुरस्कार खेल रत्न के विजेता रहे हैं। शतरंज के लिए अर्जुन पुरस्कार हासिल करने वाले आखिरी खिलाड़ी अभिजीत गुप्ता थेए जिन्हें 2013 में यह पुरस्कार मिला था। शतरंज में सिर्फ दो कोच को ही अब तक द्रोणाचार्य पुरस्कार मिला हैए जिसमें रघुनंदन वसंत गोखले 1986 और कोने अशोक 2006 का नाम शामिल है। आनंद ने कहाए श्कई बार आपको अपनी मौजूदगी का अहसास कराना होता है और मुझे उम्मीद है कि इससे कई चीजों के लिए सकारात्मक प्रेरणा मिलेगी। पांच बार के विश्व चैंपियन आनंद को भारत के विजेता बनने की उम्मीदों को उस समय झटका लगा था जब निहाल सरीन और दिव्या देशमुख ने सर्वर के साथ कनेक्शन नहीं बन पाने से अपना मैच गंवा दिया। 50 साल के दिग्गज खिलाड़ी आनंद ने कहा मैंने ऐसा सोचा नहीं था। मेरा मतलब है कि स्पष्ट रूप से हमारे पक्ष में सबसे मजबूत तर्क यह था कि सर्वर के साथ कनेक्शन की गलती हमारी तरफ से नहीं थी। इस मामले में यह तुरंत पता चल गया कि हमारी ओर से कोई गलती नहीं है। ऐसे में फिडे को हमारी मांग मांगनी पड़ी। मुझे लगा था कि दूसरे मुकाबले को फिर से खेला जाएगा। आप जानते हैं कि इससे रूस के खिलाड़ी खुश नहीं होते। मुझे लगता है फिडे ने दूसरा रास्ता अपनाया और दोनों टीमों को संयुक्त विजेता घोषित कर दिया। आनंद के अलावा भारतीय सीनियर पुरुष टीम में विदित गुजराती कप्तान पी हरिकृष्णा और अरबिंद चिदंबरम रिजर्व में शामिल थे। सीनियर महिला टीम में कोने हंपी द्रोणावल्ली हरिका भक्ति कुलकर्णी और आर वैशाली शामिल थीं।

पंजाब में मेरे परिवार के साथ जो कुछ हुआ वह भयावह

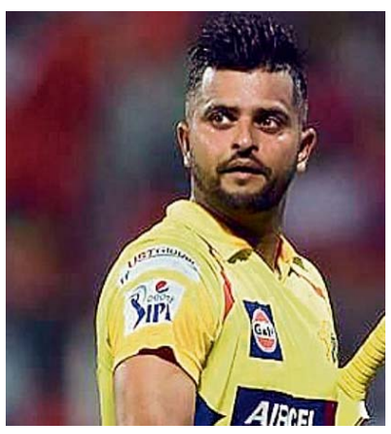

भोपाल (जी.एन.एस) पूर्व भारतीय क्रिकेटर सुरेश रैना ने पंजाब में अपनी बुआ के परिवार

हमले की जांच की मांग करते हुए मंगलवार को खुलासा किया कि उनके फूफा के बाद अब उनकी बुआ के लड़के की भी मौत हो गयी। यह 33 वर्षीय खिलाड़ी व्यक्तिगत कारणों से इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) से बाहर होने के बाद पिछले हफ्ते स्वदेश लौट आया था। आईपीएल 19 सितंबर से संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) में खेला जाएगा। रैना ने ट्विटर पर दिये गये अपने बयान में हालांकि यह नहीं बताया कि उनका आईपीएल से वापस लौटने का कारण यह हमला था। पठानकोट में उनकी बुआ के परिवार पर हमला लूट का मामला माना जा रहा है। उन्होंने कहा, 'पंजाब में मेरे परिवार के साथ जो हुआ वह भयावह है। मेरे फूफा की हत्या कर दी गयी, मेरी बुआ और दोनों भाईयों (बुआ के लड़कों) को गंभीर रूप से घायल कर दिया गया। दुर्भाग्य से मेरा भाई भी कई दिन तक जिंदगी और मौत से जूझने के बाद चल बसा। मेरी बुआ की हालत अब भी गंभीर बनी हुई है और उन्हें जीवन रक्षक प्रणाली पर रखा गया है।' रैना के परिजनों पर पंजाब के पठानकोट जिले के थरियाल गांव में 19 और 20 सितंबर की रात को हमला किया गया था। उनके फूफा की कुछ दिनों बाद मौत हो गयी थी। रैना ने पंजाब के मुख्यमंत्री कैप्टेन अमरेंद्र सिंह को टैग करते हुए लिखा, 'आज तक हमें पता नहीं कि उस रात क्या हुआ था और किसने ऐसा किया था। मैं पंजाब पुलिस से इस मामले पर गौर करने का आग्रह करता हूं। हम कम से कम यह जानने के हकदार तो हैं कि उनके साथ यह जघन्य कृत्य किसने किया। इन अपराधियों को और अपराध करने के लिये बख्शा नहीं जाना चाहिए।'

नॉन स्ट्राइकर छोर पर रन आउट को खेल भावना से न जोड़ें : जवागल श्रीनाथ

न्यूयॉर्क | एजेंसी।

अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (ICC) के मैच रेफरी और पूर्व भारतीय तेज गेंदबाज जवागल श्रीनाथ का मानना है कि अगर गेंदबाज के गेंद छोड़ने से पहले नॉन स्ट्राइकर छोर का बल्लेबाज क्रीज से छोड़ देता है तो वह खेल भावना का पालन नहीं कर रहा है और ऐसे में रन आउट होने पर उसे सहानुभूति नहीं बटोरनी चाहिए। भारतीय ऑफ स्पिनर रविचंद्रन अश्विन ने पिछले साल इंडियन प्रीमियर लीग (IPL) में जोस बटलर को क्रीज से काफी आगे निकलने पर रन आउट करके विवाद खड़ा कर दिया था। इस मामले में गेंदबाज की भूमिका पर सवाल उठाए गए। लेकिन श्रीनाथ का मानना है कि अगर बल्लेबाज इस तरह से रन आउट होता है तो इसमें गेंदबाजी की गलती नहीं होती है। श्रीनाथ ने अश्विन से उनके यूट्यूब कार्यक्रम डीआरएस विद ऐश में कहा, गेंदबाज का ध्यान बल्लेबाज पर केंद्रित रहता है। एक बल्लेबाज के लिए (नॉन स्ट्राइकर छोर पर) गेंद छूटने से पहले तक अपनी क्रीज पर बने रहना बड़ी बात नहीं है क्योंकि वह बल्लेबाजी नहीं कर रहा होता है और वह कुछ सोच भी नहीं रहा होता है। दिल्ली कैपिटल्स के मुख्य कोच रिकी पॉन्टिंग का मानना है कि इस तरह के रन आउट करने से गेंदबाज खेल भावना का उल्लंघन करता है और वह अश्विन को ऐसा करने की अनुमति नहीं देंगे। पिछले साल किंग्स इलेवन पंजाब के कप्तान रहे अश्विन इस साल 19 सितंबर से संयुक्त अरब अमीरात (UAE) में होने वाले आईपीएल में दिल्ली कैपिटल्स की तरफ से खेलेंगे। श्रीनाथ ने कहा, बल्लेबाज को क्रीज नहीं छोड़नी चाहिए और गेंदबाज को केवल गेंदबाजी और जिस बल्लेबाज के लिए वह गेंद कर रहा है उस पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए। अगर बल्लेबाज अनुचित फायदा उठा रहा है और उसे रन आउट किया जाता है तो मुझे कोई परेशानी नहीं है। मेरे हिसाब से यह सही है। इस पूर्व तेज गेंदबाज ने कहा कि नियमों में साफ कहा गया है कि बल्लेबाज को गेंद छूटने से पहले क्रीज के अंदर रहना चाहिए। श्रीनाथ ने कहा, सहानुभूति के बारे में नहीं सोचें। इससे खेल भावना को नहीं जोड़ें। खेल भावना नॉन स्ट्राइकर से भी जुड़ी होती है। वह क्रीज से बाहर नहीं निकल सकता। अगर वह ऐसा कर रहा है तो क्या वह खेल भावना का उल्लंघन नहीं कर रहा है? मेरा मानना है कि बल्लेबाज को क्रीज पर बने रहना चाहिए। इस पूर्व तेज गेंदबाज ने कहा कि नॉन स्ट्राइकर छोर का बल्लेबाज अगर क्रीज से बाहर निकलता है तो अनुचित लाभ उठा रहा है और करीबी मैचों में इसका परिणाम पर प्रभाव पड़ सकता है। उन्होंने कहा, भले ही बल्लेबाज अनजाने में क्रीज पर छोड़ देता है और ऐसा मैच की अंतिम गेंद पर होता है जहां बल्लेबाज गेंद छूटने से पहले ही तीन फीट आगे निकल जाता है तो यह इसका परिणाम अनुचित होगा।

किसी एक टीम को इसका खामियाजा भुगतना पड़ सकता है। मैं यहां संतुलन देखना पसंद करूंगा।

कोहली ने जैव सुरक्षित वातावरण पर कहा, हम यहां क्रिकेट खेलने आए हैं, मस्ती के लिए नहीं

दुबई **एजेंसी।** भारत और रॉयल चैलेंजर्स बेंगलोर के कप्तान विराट कोहली कोविड-19 महामारी के बीच क्रिकेट खेलने के महत्व को समझते हैं और वह चाहते हैं कि इंडियन प्रीमियर लीग में भाग लेने वाले सभी खिलाड़ी और अन्य सदस्य टूर्नामेंट के जैव सुरक्षित वातावरण का सम्मान करें। आरसीबी के यूट्यूब कार्यक्रम 'बोल्ड डायरीज' में बात करते हुए 31 वर्षीय कोहली ने कहा कि कोविड-19 के कारण लगाए गए लॉकडाउन के दौरान उन्हें क्रिकेट की कमी नहीं खल रही थी। उन्होंने कहा, 'मैं पिछले दस वर्षों से लगातार खेल रहा था। इससे एक तरह से मुझे नए रहस्य का पता चला कि मुझे हर समय खेल की कमी नहीं खल रही थी।' कोहली अब संयुक्त अरब अमीरात में 19 सितंबर से शुरू होने वाले आईपीएलकी तैयारियों में जुटे हैं और उन्होंने कहा कि बीसीसीआई की मानक संचालन प्रक्रिया और जैव सुरक्षित वातावरण के कारण लगाए गए प्रतिबंधों का सभी भागीदारों को अनिवार्य रूप से पालन करना चाहिए। कोहली ने कहा, 'हम सभी यहां क्रिकेट खेलने आए हैं। टूर्नामेंट के दौरान हर समय जैव सुरक्षित वातावरण का सम्मान करना जरूरी है। हम यहां मस्ती करने और इधर-उधर घूमने और यह कहने के लिए नहीं आए हैं कि मैं दुबई में घूमना चाहता हूं।' उन्होंने कहा, 'अभी हम इस तरह के दौर में नहीं जी रहे हैं। अभी हम जिस दौर से गुजर रहे हैं उसे स्वीकार करो और हमें आईपीएल का हिस्सा बनने का जो अधिकार मिला है उसको समझो। सभी को इसे स्वीकार करना चाहिए और ऐसा व्यवहार नहीं करो जो परिस्थिति के विपरीत हो।' पांच महीने बाद खेल में लौटने के बारे में कोहली ने कहा कि उन्हें लय हासिल करने में ज्यादा समय नहीं लगा। उन्होंने कहा, 'दो महीने पहले तक आप यह नहीं सोच सकते थे कि हम आईपीएल में खेलेंगे। जब कल हमारा अभ्यास सत्र हुआ तो तब मुझे अहसास हुआ कि कितना अधिक समय बीत गया है। जब मैं अभ्यास सत्र के लिए जा रहा था तो थोड़ा नर्वस था।' टूर्नामेंट जैव सुरक्षित वातावरण में दर्शकों के बिना खेला जाएगा और कोहली ने कहा कि शुरू में यह अजीब लगेगा लेकिन खिलाड़ी जल्द ही इससे सामंजस्य बिठा देंगे। उन्होंने कहा, 'मैं यह नहीं कहूंगा कि यह मुश्किल या अजीब नहीं होगा। मैंने पिछले दस वर्षों से बल्ले की गेंद को हिट करने की आवाज नहीं सुनी है। आखिरी बार ऐसा रणजी ट्रॉफी में हुआ था। लेकिन अपनी जिंदगी में किसी ने किसी समय हमने ऐसा किया है।' कोहली ने दर्शकों के बिना खाली स्टेडियमों में खेले जाने वाले घरेलू मैचों के संदर्भ में यह बात कही। उन्होंने कहा, 'दर्शकों की अनुपस्थिति जरूर महसूस होगी लेकिन जल्द ही सभी इससे तालमेल बिठा लेंगे।'

37 साल की उम्र में की यू.एस. ओपन में वापसी

नई दिल्ली , एजेंसी। एपी। कोरोना महामारी फैलने के बाद टेनिस ग्रैंड स्लैम पर लगे ब्रेक और हुए बदलाव के बाद साल के यूएस ओपन को कराया जा रहा है। टूर्नामेंट से कई बड़े नाम हट चुके हैं तो वहीं बेल्जियम की महिला टेनिस स्टार किम क्लिस्टर्स यूएस ओपन में वापसी करने जा रही हैं। जब पहली बार वह यूएस ओपन टेनिस टूर्नामेंट में खेली थीं तो वह वर्ष 1999 था और उन्हें तब जिस खिलाड़ी के हाथों हार का सामना करना पड़ा था उसका नाम सेरेना विलियम्स था। इतने वर्षों बाद ये दोनों खिलाड़ी फिर से फ्लशिंग मिडोज पर अपना जलवा दिखाने के लिए तैयार हैं। क्लिस्टर्स ने संन्यास से वापसी की है। यह 37 वर्षीय खिलाड़ी 2012 के बाद पहली बार किसी ग्रैंडस्लैम टूर्नामेंट में खेल रही हैं। सेरेना जल्द ही 39 साल की होने वाली हैं, लेकिन अब भी अच्छी फॉर्म में हैं। क्लिस्टर्स से जब उनके पहले यूएस ओपन टूर्नामेंट की यादों के बारे में पूछा गया तो उन्होंने सेरेना के साथ पहले मुकाबले को याद किया। सेरेना ने तीसरे दौर का यह मैच 4-6, 6-2, 7-5 से जीता था और आखिर में अपने 23 ग्रैंडस्लैम खिताब की पहली ट्रॉफी भी हासिल की थी। क्लिस्टर्स ने कहा, यह शानदार मैच था। माहौल लाजवाब था। मैं जब भी यहां खेली, मैंने इस तरह की ऊर्जा महसूस की है। यहां आर्थर ऐस स्टेडियम में रात का कोई भी मैच खेलना शानदार होता है। यूएस ओपन में क्लिस्टर्स ने 2005, 2009 और 2010 में खिताब जीते थे। उन्होंने 2009 में फाइनल में सेरेना को हराया था। इसके अलावा उन्होंने 2011 में ऑस्ट्रेलियन ओपन का खिताब भी जीता था।

2 क्रिकेटर्स के नाम है गेंदबाजी का ये अनूठा रिकॉर्ड

नई दिल्ली , एजेंसी।

इंडियन प्रीमियर लीग में श्रीलंका के धुरंधर तेज गेंदबाज लसिथ मलिंगा और ऑफ स्पिनर हरभजन सिंह उन चुनिंदा क्रिकेटर्स में से एक हैं, जो पहले सीजन से ही अपना जलवा दिखा रहे हैं. दोनों ही गेंदबाजों ने एक साथ कई साल तक मुंबई इंडियंस टीम के लिए अपना जलवा दिखाया है और उसके 4 खिताबों में से कुछ को जीतने में अपना अहम योगदान दिया है. लेकिन इन दोनों के नाम इस प्रीमियर लीग में गेंदबाजी का एक अनूठा रिकॉर्ड भी दर्ज है. ये रिकॉर्ड है सबसे ज्यादा टीमों के खिलाफ कम से कम 20 विकेट अपने खाते में दर्ज करने का. हरभजन सिंह और मलिंगा की 20-20 विकेट वाली 4 टीमों में से 3 टीम दोनों के लिए कॉमन हैं. दोनों ने ही चेन्नई सुपर किंग्स , किंग्स इलेवन पंजाब और डेक्कन चार्जर्स के खिलाफ ये जोरदार कारनामा किया है. इन दोनों टीमों से अलग मलिंगा ने कोलकाता नाइट राइडर्स और भज्जी ने रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर के खिलाफ 20 विकेट लिए हैं. आईपीएल-2009 का खिताब जीतने वाली डेक्कन अब आईपीएल का हिस्सा नहीं है. इस टीम की जगह हैदराबाद की फ्रेंचाइजी सनराइजर्स हैदराबाद के पास आ गई है. आईपीएल में मलिंगा के नाम पर सबसे ज्यादा 170 विकेट लेने का रिकॉर्ड है और वे फिलहाल ऑलटाइम पर्पल कैप विनर हैं. उनके नाम पर इस ग्लैमर्स लीग में सबसे ज्यादा बार पारी में 4 विकेट लेने का रिकॉर्ड भी दर्ज है. मलिंगा ने कुल 6 बार एक पारी में 4 विकेट चटकाए हैं. उनके अलावा केवल कोलकाता नाइट राइडर्स के लिए खेलने वाले कैरेबियाई स्पिनर सुनील नरेन ही इतनी बार पारी में 4 विकेट ले पाए हैं. चेन्नई सुपर किंग्स के लिए खेलने वाले हरभजन सिंह भी आईपीएल में सबसे ज्यादा विकेट लेने वालों में तीसरे नंबर पर चल रहे हैं. उन्होंने 160 मैच में 150 विकेट लिए हैं. हरभजन के नाम पर आईपीएल में सबसे ज्यादा डॉट बॉल यानी खाली गेंद फेंकने का भी रिकॉर्ड है. भज्जी अब तक 1249 डॉट बॉल फेंक चुके हैं।

लंबे समय बाद भुवनेश्वर करेंगे वापसी अपनी गेंदबाजी पर ऐसा कहा

मैं आईपीएल को लेकर बेहद उत्साहित हूं. मैं फिर से मैच खेलने का इंतजार नहीं कर सकता.' सनराइजर्स के साथ खेलने के बारे में उन्होंने कहा, 'सीनियर गेंदबाज होने के नाते मेरा रवैया पिछले वर्षों की तरह ही रहेगा.

दिल्ली | एजेंसी।

भारतीय तेज गेंदबाज भुवनेश्वर कुमार ने कहा कि एक गेंदबाज को जिस गेंद को करने में महारत हासिल होती है, उसे वह गेंद करनी चाहिए. भुवनेश्वर 19 सितंबर से संयुक्त अरब अमीरात (UAE) में होने वाले इंडियन प्रीमियर लीग (IPL) में सनराइजर्स हैदराबाद (SRH) की तरफ से खेलेंगे. उन्होंने कहा कि भारतीय टीम के साथ कई वर्षों के अनुभव ने एक गेंदबाज के तौर पर उन्हें बदल दिया. आईपीएल की वेबसाइट के अनुसार उन्होंने कहा, 'मैं पिछले कुछ वर्षों में एक गेंदबाज के तौर पर निश्चित रूप से बदला हूं. सबसे महत्वपूर्ण यह है कि मैंने खेलकर अनुभव हासिल किया और गेंदबाजी की विविधताओं (वेरिएशन) को सीखा.' भुवनेश्वर ने कहा, 'मुझे नहीं लगता कि यह हमेशा अपनी गेंदबाजी में कुछ नया जोड़ने से संबंधित है. आप जिस तरह की गेंद करने में माहिर हो, यह उसे अच्छी तरह से करने से भी जुड़ा है.' यह तेज गेंदबाज 2019 में चोटों से जूझता रहा. विश्व कप के दौरान भी वह चोटिल हो गए थे और पाकिस्तान के खिलाफ मैनचेस्टर में उन्हें मैच को बीच में छोड़ना पड़ा था. वह दक्षिण अफ्रीका और बांग्लादेश के खिलाफ घरेलू सीरीज में नहीं खेल पाए थे. उन्होंने वेस्टइंडीज के खिलाफ टी20 सीरीज में वापसी की. जनवरी में उन्होंने हर्निया का ऑपरेशन करवाया था. भुवनेश्वर ने कहा, 'वापसी करके अच्छा लग रहा है. मैं पिछले कुछ समय से खेल से बाहर था. पहले मैं चोटिल हो गया था और बाद में इस महामारी और लॉकडाउन के कारण खेल नहीं हो पाया. मैं दूसरे गेंदबाजों की मदद करने और उनमें अपना अनुभव बांटने का प्रयास करूंगा. अच्छी बात यह है गेंदबाजी इकाई के तौर पर हम पिछले दो तीन साल से साथ में खेल रहे हैं और एक-दूसरे को अच्छी तरह से समझते हैं, इससे कप्तान और मुझ जैसे सीनियर गेंदबाज के लिए चीजें आसान हो जाती हैं।

नोवाक जोकोविच और नाओमी ओसाका की जीत से शुरुआत अमेरिकी सनसनी कोको गॉफ का बंध गया बोरिया-बिस्तर

नई दिल्ली | एजेंसी।

नोवाक जोकोविच का 2020 में विजय अभियान जारी है। हालांकि अमेरिकी टेनिस सनसनी कोको गॉफ पहले दौर में ही हार गईं। पूर्व नंबर वन नाओमी ओसाका को भी दूसरे दौर में पहुंचने के लिए कड़ी मशक्कत करनी पड़ी। नोवाक जोकोविच का इस साल यानी 2020 में विजय अभियान जारी है। उन्होंने आसान जीत के साथ यूएस ओपन टेनिस टूर्नामेंट में शानदार शुरुआत की। हालांकि, महिला वर्ग में पूर्व नंबर वन जापान की नाओमी ओसाका दूसरे दौर में कड़ी मशक्कत करनी पड़ी। वहीं, अमेरिकी टेनिस स्टार कोको गॉफ को पहले दौर में ही हार का सामना करना पड़ा। विश्व के नंबर एक सर्बियाई खिलाड़ी जोकोविच ने अपना 18वें ग्रैंडस्लैम जीतने के अभियान की शुरुआत दामिर दाजुमहर पर 6-1, 6-4, 6-1 की जीत से की। जोकोविच ने इस तरह से इस साल अपना जीत-हार का रिकॉर्ड 24-0 पर पहुंचा दिया। उन्होंने इससे पहले इस साल ऑस्ट्रेलियाई ओपन का खिताब भी जीता था। जोकोविच ने मैच के बाद कहा, 'मैं अपने इस विजय क्रम को निश्चित तौर पर जारी रखना चाहता हूं कि लेकिन ऐसा नहीं है कि मैं हर दिन इसे पहली प्राथमिकता मानता हूं। यह मेरे लिये अतिरिक्त प्रेरणा जरूर है। इससे मुझे अधिक दमदार और बेहतर खेल दिखाने की प्रेरणा मिलती है।' कोविड-19 महामारी के कारण इस बार यूएस ओपन में दर्शकों को अनुमति नहीं दी गई है। टेनिस खिलाड़ी नोवाक जोकोविच पर कोरोना फैलाने का आरोप! खुद और वाइफ भी हैं नोवाक जोकोविच लॉकडाउन के बाद पहली बार कोर्ट पर उतरे, पुराने दिनों को याद कर रोने लगा वर्ल्ड नंबर वन टेनिस खिलाड़ी 2018 की महिला चैंपियन नाओमी ओसाका को हमवतन जापानी खिलाड़ी मिसाकी दोइ के खिलाफ तीन सेट तक जूझना पड़ा। चौथी वरीयता प्राप्त ओसाका को कोर्ट कवर करने में परेशानी हो रही थी। हालांकि, आखिर में वह विश्व में 81वें नंबर की दोइ को 6-2, 5-7, 6-2 से हराने में सफल रहीं। अमेरिका की कोको गॉफ पहले दौर में ही हार गईं। अनास्तेसिया सेवास्तोवा ने 16 साल की इस खिलाड़ी को 6-3, 5-7, 6-4 से हराया। पिछले साल गॉफ तीसरे दौर तक पहुंचने में सफल रही थी। महिला वर्ग में ही शीर्ष वरीयता प्राप्त कैरोलिना प्लिसकोवा ने सीधे सेटों में जीत हासिल की। उन्होंने एंजेलिना कालिनिना को 6-4, 6-0 से पराजित किया। तीन बार की ग्रैंडस्लैम चैंपियन एंजेलिक कर्बर ने अजला टोमजानोविच को 6-4, 6-4 से हराया। टूर्नामेंट में खेल रही सबसे युवा खिलाड़ी 15 वर्षीय रोबिन मोंटगोमेरी पहले दिन बाहर हो गईं। उन्हें 23वीं वरीय यूलिया पुतिन्तसेवा ने 6-1, 6-3 से पराजित किया। रील लाइफ में क्रिकेटर को किया डेट, रियल लाइफ में ष्टह्लद्धष्म्दहृद्ध से रचाई शादी; रोमांचक है।

दिल्ली कैपिटल्स के गेंदबाज एनरिक नोर्त्जे ने कहा, 'ऐसा लगता था कि मैं जेल में बंद हूं'

नयी दिल्ली , एजेंसी। आईपीएल 2020 में दिल्ली कैपिटल्स की तरफ से खेलने के लिए तैयार है दक्षिण अफ्रीका के तेज गेंदबाज एनरिक नोर्त्जे को इंग्लैंड के क्रिस वोक्स की जगह पर टीम में शामिल किया गया है. अफ्रीका के इस तेज गेंदबाज ने टूर्नामेंट के लिए अभ्यास करना शुरू कर दिया है और काफी वक्त बाद नेट प्रैक्टिस करके यह खिलाड़ी काफी खुश है. फ्रेंचाइजी ने बयान जारी किया है जिसमें नोर्त्जे ने कहा है कि, बाहर आना शानदार रहा. मैं इस बात को बयां नहीं कर सकता, लेकिन ऐसा लगता था कि मैं जेल में बंद हूं. मैंने पहले दिन हल्का अभ्यास किया. अगले कुछ दिनों में धीरे-धीरे लय पकडुंगा, असल के मैदान पर गेंदबाजी करना शानदार था. दिल्ली कैपिटल्स के साथ अभ्यास करना शानदार है. मैं देरी से आया. जब तक मैं विमान में बैठा था, तब तक मैं आश्वस्त नहीं था कि ये चीजें हो रही हैं. अगर टूर्नामेंट आगे बढ़ता है तो मैं काफी खुश होऊंगा. एनरिक नोर्त्जे ने यह भी कहा है कि, मैं रबाडा के साथ खेलने को गेंदबाजी करने को लेकर उत्साहित हूं. मुझे उम्मीद है कि यह हमें एक अच्छी गेंजबाजी ईकाई बनाएगा. हमारे पास निश्चित तौर पर तेजी है. यह देखना दिलचस्प होगा कि विकेट कैसे खेलती है, लेकिन मैं इस बात को लेकर आश्वस्त हूं कि सभी कप्तान अपनी टीम में कुछ तेज गेंदबाज तो चाहते ही हैं.बता दें कि एनरिक नोर्त्जे की रफ्तार 150 किमी. प्रति घंटा से भी तेज है. इस तेज गेंदबाज ने साउथ अफ्रीका के लिए 6 टेस्ट, 7 वनडे और 3 टी20 मैच खेले हैं. 28 साल का यह खिलाड़ी पिछले साल कोलकाता नाइट राइडर्स का हिस्सा था लेकिन आईपीएल में उनका डेब्यू अब तक नहीं हुआ है, ऐसे में नोर्टजे इस सीजन के लिए काफी उत्साहित है।

एक नजर.....

भोजपुरी की लेडी सिंघमश् रानी चटर्जी चाहती थी ये फेक न्यूज हो जाए सच

रानी चटर्जी अपनी भोजपुरी फिल्मों की वजह से सुर्खियों में रहती है. साथ ही अपनी अदाओं और फोटोज के चलते चर्चा में रहती हैं. रानी के फैंस उनकी तस्वीरों से अपनी नजर नहीं हटा पाते हैं. वहीं एक समय गूगल पर रानी चटर्जी की फेक न्यूज खूब चर्चा में रहती थी. इसे लेकर एक्ट्रेस ने कहा था कि काश ये सच हो जाता।

भोजपुरी की लेडी सिंघम कही जाने वाली एक्ट्रेस रानी चटर्जी भोजपुरी में लोहा मनवाने के बाद अब हिंदी सिनेमा की तरफरुख कर रही हैं. कई बार वो बॉलीवुड में काम करने की इच्छा भी जता चुकी हैं. वहीं, एक इंटरव्यू में रानी से सवाल किया गया था कि, गूगल ये बताया करता था कि रानी चटर्जी का बॉयफ्रेंड कौन है. तो इसमें रणबीर कपूर का नाम आता था. क्या है सच्चाई? एक्ट्रेस रानी चटर्जी ने इस सवाल के जवाब में हंसते हुए कहा था कि, विकिपीडिया में मेरे बारे में इतनी फेक न्यूज होती है, लेकिन मैं चाहती थी कि ये फेक न्यूज सच हो जाए बस. रानी आगे बताती हैं कि कई सालों तक गूगल में यही चलता रहा. लेकिन दो साल पहले ही मैंने कहकर इसे हटवाया. हाल ही में रानी चटर्जी का एक वीडियो वायरल हुआ था, जिसें फैंस ने खूब पसन्द किया था. इस वीडियो में रानी चटर्जी की लुक देखने लायक था. उन्होंने ब्लू कलर की फ्रॉक और व्हाइट सैंडल पहना रखा है और वह हाथ फैलाकर डांस करती हुई नजर आ रही थी. इस वीडियो के बैकग्राउंड में गाना चल रहा था ये हसीं वादियां, ये खुला आसमां. रानी ने इस वीडियो को शेयर करते हुए कैप्शन में लिखा था- ये हसीं वादियां. बता दें कि रानी चटर्जी को भोजपुरी सिनेमा की क्वीन भी कहा जाता है. इसके साथ ही रानी चटर्जी भोजपुरी की ऐसी अदाकारा हैं जिन्हें उनकी बेबाकी की वजह से भी पहचाना जाता है. वहीं, भोजपुरी सिनेमा में 250 से भी ज्यादा फिल्में कर चुकीं रानी चटर्जी ने मस्तराम वेबसीरीज से ओटीटी पर कदम रखा है।

सीबीआई अधिकारियों से रिया चक्रवर्ती की हुई बहस, पूछताछ के दौरान ड्रग्स के सवालों पर भड़कीं

सुशांत सिंह राजपूत डेथ केस में सीबीआई की जांच ने अपनी रफ्तार पकड़ ली है। ऐसे में इस मामले में सीबीआई सब कुछ मुख्य आरोपी रिया चक्रवर्ती से उगलवाना चाहती है। बीते दिन यानी रविवार को रिया से सीबीआई ने लगातार तीसरे दिन पूछताछ की है। इस दौरान रिया से कई सवाल किये गए जिसमें से उन्होंने कुछ का जवाब दिया तो कुछ को उन्होंने टालने की भी कोशिश की। एक समय ऐसा भी आया जब रिया कुछ सवालों पर भड़क उठीं। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार रविवार को पूछताछ के वक्त रिया चक्रवर्ती का व्यवहार सीबीआई अधिकारियों के साथ कुछ अच्छा नहीं रहा। क्योंकि जब अधिकारियों ने ड्रग्स को लेकर रिया से तीखे सवाल किये तो एक्ट्रेस भड़क गई और इस सवाल का सही से जवाब नहीं देते हुए बातों को घुमाना शुरू कर दिया। इसके अलावा जब रिया चक्रवर्ती से सीबीआई पूछताछ कर रही थी तो सीबीआई अधिकारी नुपुर प्रसाद से उनकी बहस हो गयी। फिर महिला पुलिसकर्मियों को पूछताछ के दौरान बुलाया गया। रिया से जब सीबीआई ने पैसे खर्च करने पर सवाल किये तो उन्होंने इस पर जवाब देते हुए कहा कि उन्हें खुद सुशांत शापिंग कराते थे। मगर उनसे यह जब पूछा गया कि सुशांत के डेबिट कार्ड का पिन सैमुअल मिरांडा से आखिर उन्होंने क्यों मांगा था तो इसका जवाब वह इस पर नहीं दे पाई।बता दें कि शुक्रवार को सीबीआई ने रिया चक्रवर्ती से 10 घंटे, जबकि शनिवार को सात घंटे की पूछताछ की थी। कुल मिलाकर अब तक रिया से 26 घंटे की पूछताछ हो गई है। वहीं, रिया के भाई शौविक चक्रवर्ती से भी सीबीआई ने लगातार चौथे दिन पूछताछ की। अब सीबीआई सुशांत की बहन मीतू सिंह से पूछताछ करने वाली है। हालांकि अभी इस मामले में सीबीआई ने मीतू सिंह को बुलाया है। उसके बाद सीबीआई इस केस में सुशांत की दूसरी बहन प्रियंका सिंह और उनके पति सिद्धार्थ से भी पूछताछ करेंगे। अगर सीबीआई की टीम इन सभी के बयानों से संतुष्ट नहीं हुई तो उसके बाद सुशांत की बहनों और रिया, सिद्धार्थ पिठानी, नीरज सिंह, दीपेश को आमने सामने बैठाकर सवाल किए जाएंगे।

कपिल शर्मा के साथ दोबारा काम

नीतू कपूर ने पति ऋषि कपूर को याद करते हुए शेयर की तस्वीर गणेश पूजा के लिए जुटा था परिवार

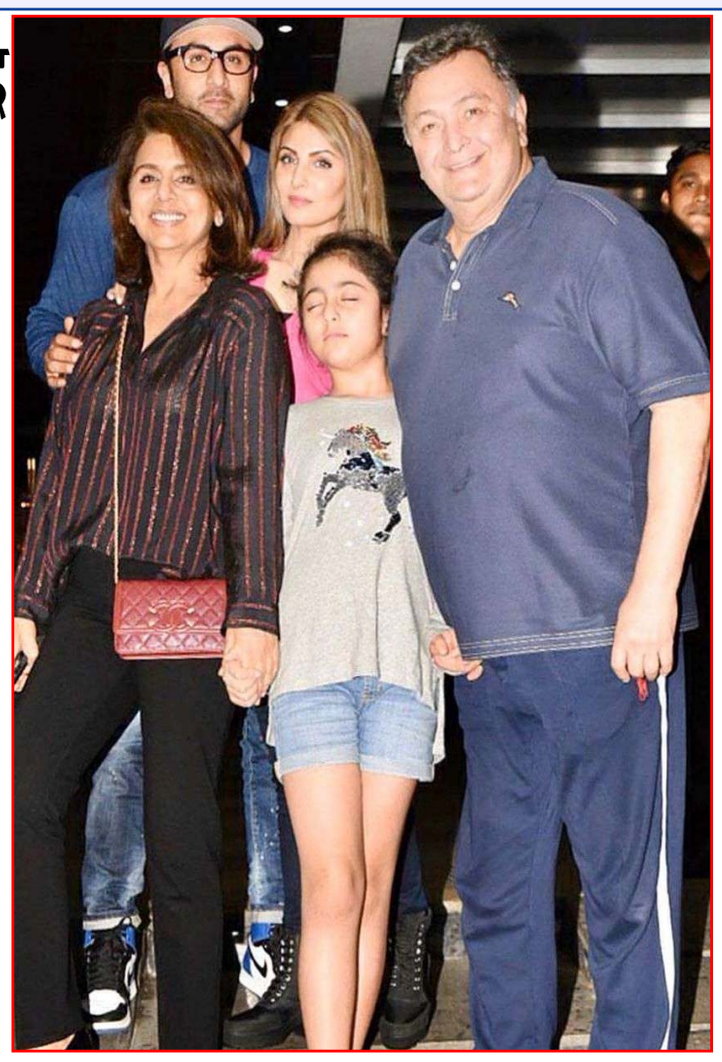

बॉलीवुड के दिग्गज अभिनेता ऋषि कपूर अब हमारे बीच में नहीं हैं। आज भी ऋषि कपूर की कमी उनके परिवार को खलती है। अकसर देखा गया है कि सोशल मीडिया पर ऋषि कपूर को याद करते हुए उनकी तस्वीरें या पोस्ट नीतू कपूर और बेटी रिद्धिमा कपूर शेयर करते रहते हैं। एक बार फिर से ऋषि कपूर को याद करते हुए नीतू कपूर ने एक इमोशनल पोस्ट लिखा है। रिद्धिमा और नातिन समारा इस पोस्ट में नीतू कपूर के साथ दिखाई दे रहे हैं। हाल ही में गणेश चतुर्थी का पर्व नीतू कपूर की ननद रीमा जैन के घर मनाया गया था। नीतू, रिद्धिमा और समारा इस खास अवसर पर शामिल हुए थे। इस दौरान की तस्वीर नीतू ने शेयर की और ऋषि कपूर को याद करते हुए लिखा कि भले वो यहां नहीं हैं लेकिन वो उनका हिस्सा हैं। रिद्धिमा ने अपने पूरे परिवार के साथ बीते रविवार को तस्वीर शेयर की। इस पोस्ट का कैप्शन रिद्धिमा ने लिखा, श्फैमिलीश। तस्वीर में देखा जा सकता है कि काउच पर नीतू, रिद्धिमा और समारा बैठे दिख रहे हैं। जबकि दूसरे काउच पर रीमा जैन, मनोज जैन और आदर जैन बैठे हैं। इस तस्वीर में अरमान जैन, अनीसा जमीन और श्वेता बच्चन के बेटे अगस्त्य नंदा नजर आ रहे हैं। बता दें कि रीमा जैन के यहां से गणेश चतुर्थी की कुछ तस्वीरें इससे पहले करीना कपूर और करिश्मा कपूर ने साझा की थीं। इन तस्वीरों में तैमूर अली खान, रणधीर कपूर, बबीता कपूर, करिश्मा के दोनों बच्चे नजर आ रहे थे। करीना की उस पोस्ट में एक और तस्वीर में करीना की बुआ रीमा जैन के साथ बेटे तैमूर अली खान मस्ती करते दिखे। करीना कपूर खान ने इन तस्वीरों को शेयर करते हुए लिखा कि ये सब मेरे फेवरेट (प्रिय) लोग हैं। बीते दिनों पहले करीना और सैफ अली खान ने सबको गुड न्यूज देते हुए बताया था कि उनके घर जल्द नया मेहमान आने वाला है।

आलिया भट्ट ने अपने फोटोशूट की तस्वीरें की शेयर, ट्रोलर्स ने ट्रोल करते हुए कहा-सड़क निकल गई पैरों.....

बॉलीवुड की मशहूर अभिनेत्री आलिया भट्ट पिछले लंबे समय से सोशल मीडिया पर ट्रोलर्स के निशाने पर बनी हुई हैं। इससे पहले आलिया ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स पर अपना चौट बॉक्स बंद कर दिया था लेकिन अब उन्होंने उसे फिर से खोल दिया है। हाल ही में इंस्टाग्राम अकाउंट पर आलिया ने नई पोस्ट साझा की है जिसमें उनकी तस्वीर है। लेकिन इस पोस्ट के आते ही ट्रोलर्स ने जमकर आलिया को फिर से ट्रोल करना शुरू कर दिया। दरअसल फिल्म इंडस्ट्री में नेपोटिज्म और फेवरटिज्म का मुद्दा सुशांत सिंह राजपूत की मौत के बाद एक बार फिर से गरमाया हुआ है। इतनाही नहीं बॉलीवुड के उन सेलेब्स को फैंस ट्रोल कर रहे हैं जो इन मुद्दों से जुड़े हुए हैं। इसके बाद तो सोशल मीडिया से कई सेलेब्स ने दूरी बना ली तो कइयों ने अपने कमेंट बॉक्स को ही बंद कर दिया। उनमें से एक आलिया भट्ट भी थीं। हालांकि अब अपने अकाउंट के कमेंट बॉक्स को आलिया ने खोल लिया है पर ट्रोलर्स अभी भी उन्हें ट्रोल करने का मौका नहीं छोड़ रहे। इंस्टाग्राम पर जो लेटेस्ट तस्वीर आलिया भट्ट ने पोस्ट की है उसमें वह खुश दिखाई दे रही हैं। इस पोस्ट के साथ आलिया ने कैप्शन में लिखा है कि, हो सकता है कि आपके साथ जो रहा हो उन सभी इवेंट को आप कंट्रोल नहीं कर पाओ, लेकिन इतना जरूर कर सकते हो कि उससे कमजोर न पड़ो- बता दें कि एक मैगजीन कवर शूट की आलिया ने तस्वीरें साझा की हैं। आलिया की बहन शाहीन ने उनकी यह तस्वीरें खींची थी। फ्लोरल ड्रेस इस दौरान आलिया ने पहनी थीं। इन तस्वीरों के साथ आलिया ने लिखा, मेरी लाइफलाइन शाहीन ने ली है यह तस्वीर।आलिया के ये तस्वीरें पोस्ट करते ही यूजर्स ने उन्हें ट्रोल करना शुरू कर दिया। आलिया की फिल्म सड़क 2 हाल ही में रिलीज हुई है जिसको लेकर उनपर निशाना साधा। ट्रोल करते हुए एक यूजर ने लिखा कि सड़क 3 पर खड़ी हैं जबकि अन्य ने लिखा, जब भी मैं आपको देखता हूं तो मुझे सड़क 2 को डिस्लाइक करना ही याद आता है।

कौन हैं करीना कपूर के फेवरेट को-स्टार, शूटिंग करते हुए बताया

इससे पहले करीना कपूर ने अपने इंस्टाग्राम एक अपनी एक तसवीर पोस्ट की थी. इस तसवीर में वो सी ब्लू कलर की बिकिनी में नजर आई थी.

बॉलीवुड एक्ट्रेस करीना कपूर इन दिनों अपनी पर्सनल लाइफ को लेकर चर्चा में हैं. सैफ अली खान और करीना के घर एक नया मेहमान आने वाला है. करीना और सैफ अली खान दूसरा बेबी एक्सपेक्ट कर रहे हैं. इस बीच बेबो शूंटिग पर लौट आई है. अब करीना ने अपना एक वीडियो शेयर किया है, जिसमें वो एक डॉगी के साथ शूटिंग करती नजर आ रही हैं. करीना कपूर ने वीडियो को शेयर करते हुए कैप्शन में लिखा, ष्अपने फेवरेट को-एक्टर के साथ शूटिंग, लियो डी केपरियो, मेरा लियो.ष् उनके लुक की बात करें तो इस वीडियो में उन्होंने ब्लैक ट्रैकसूट पहना हुआ है. वहीं, उन्होंने अपने गोद में डॉगी को लिया हुआ है और उसके साथ खूब मस्ती करती दिख रही है. इस ट्रैकसूट में भी एक्ट्रेस बेहद सुन्दर लग रही है. इस शेयर करते हुए करीना ने कैप्शन में लिखा था, सच्चाई कुछ और ही. एक्ट्रेस की ये तसवीर फैंस को खूब पसन्द आई थी. वहीं, बेबो की एक और तसवीर फैंस को पसन्द आई थी. एक्ट्रेस ने इंस्टाग्राम पर अपनी एक ब्लैक एंड व्हाइट फोटो शेयर की थी. इस तसवीर में करीना एकदम सिंपल दिख रही थी, बस उनके बाल खुले हुए थे. इसे शेयर करते हुए एक्ट्रेस ने लिखा था, 'पोस्ट पैकअप शॉट ... मेरे सबसे प्यारे दोस्त के साथ'. फिल्मों की बात करें तो एक्ट्रेस जल्द ही फिल्म लाल सिंह चड्ढा में नजर आने वाली हैं. इस फिल्म में करीना बॉलीवुड के मिस्टर परफैक्शनिस्ट आमिर खान के साथ अहम भूमिका निभाती हुई दिखाई देंगी. ये फिल्म 2021 के क्रिसमस पर रिलीज होगी।

साथ निभाना साथिया 2 का प्रोमो हुआ रिलीज

टीवी के चर्चित शो साथ निभाना साथिया को बहुत पसंद किया गया। अब इसके दूसरे सीजन का प्रोमो रिलीज कर दिया गया है, जिससे शो को लेकर फैन्स की उत्सुकता बढ़ गई है। इसके साथ ही यह भी कंफर्म हो गया है कि शो में गोपी बहू के किरदार में देवोलीना भट्टाचार्जी नजर आएंगी।

प्रोमो वीडियो में देवोलीना पिंक कलर की साड़ी पहने हुई हैं। वह हाथ में पूजा की थाली लिए नजर आ रही हैं। वीडियो में वह कहती हैं, शायद रसोड़े में गहना ने कुकर गैस पर चढ़ा दिया होगा। ये गहना भी न ऐसी-ऐसी चीजें करती है कि कभी तो मुझे एकदम सरप्राइज कर देती है और कभी-कभी एकदम शॉक्ड। आप सब यही सोच रहे हैं न कि गहना कौन हैं। तो पता चल जाएगा। अब देखना है कि शो में गहना कौन है और उनका कैसा रोल होगा। इस प्रोमो को देवोलीना ने अपने इंस्टाग्राम पर शेयर किया है। उन्होंने कैप्शन में लिखा, भारी डिमांड पर हम वापस आ गए हैं। इस वीडियो जमकर लाइक और शेयर किया जा रहा है। फैन्स कमेंट करके पूछ रहे हैं कि रसोड़े में कौन था? इससे पहले साथ निभाना साथिया की ऑरिजनल गोपी बहू यानी जिया मानेक ने कहा था कि उन्हें दूसरे सीजन के लिए अप्रोच नहीं किया गया है। उन्होंने यह भी कहा कि अगर बिग बॉस 13 फेम देवोलीना भट्टाचार्जी को इस शो में कास्ट किया जाता है।

रुति मोदी के वकील का खुलासा,सुशांत के करियर पर हुआ ड्रग्स का असर

दिवंगत अभिनेता सुशांत सिंह राजपूत केस में सीबीआई की जांच जारी है। सीबीआई सुशांत केस में मुख्य आरोपी रिया चक्रवर्ती से लगातार चौथे दिन भी पूछताछ करने वाली है। इस केस में रिया के अलावा सुशांत के दोस्त सिद्धार्थ पिठानी और स्टाफ मेंबर्स के भी बयान लिए गए हैं। खबर है कि अभी तक सीबीआई ने पिछले सवालों को ही दोहराया है। वहीं सुशांत और रिया की मैनेजर रह चुकीं श्रुति मोदी के वकील अशोक सरावगी का दावा है कि ड्रग्स लेने की वजह से सुशांत का करियर लगातार गिर रहा था। अशोक सरावगी ने बताया कि जिस व्हाट्सएप ग्रुप के स्क्रीनशॉट सामने आए हैं उसमें वो लोग थे जो सुशांत के घर रुककर ड्रग्स का सेवन करते थे और उस ग्रुप में मौजूद हर कोई ड्रग्स लेता था।

कंचन उजाला
हिंदी दैनिक

स्वामी नमोकंचन कार्पोरेट सर्विसेस (एल.एल.पी) के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक कंचन सोलंकी द्वारा उमाकान्ती ऑफसेट प्रेस, ग्राम डेहवा पोस्ट मोहनलाल गंज लखनऊ से मुद्रित एवं 61/18 चुटकी भण्डार हुसैनगंज लखनऊ से प्रकाशित।

संपादक- कंचन सोलंकी

TITLE CODE- UPHIN48974

Mob: 8896925119, 9695670357
Email: kanchansolanki397@gmail.com

नोटः समाचार पत्र में प्रकाशित समाचारो एवं लेखों से संपादक का सहमत होना अनिवार्य नही। समस्त विवादो का निस्तारण लखनऊ न्यायालय के अधीन होगा।

बेटी न्यासा के साथ सिंगापुर में रहेंगी काजोल, सामने आई वजह

अजय देवगन और काजोल की बेटी न्यासा अपने लुक्स को लेकर अक्सर चर्चा में रहती हैं। उनकी फोटोज और वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहते हैं। अब खबर है कि काजोल कुछ समय के लिए बेटी न्यासा के साथ सिंगापुर में रहेंगी। वहीं, अजय देवगन मुंबई में बेटे युग के साथ रहेंगे। मुंबई मिरर ने अपनी रिपोर्ट में सूत्र के आधार पर बताया कि न्यासा सिंगापुर के युनाइटेड वर्ल्ड कॉलेज ऑफ साउथ ईस्ट एशिया में पढ़ाई कर रही हैं। काजोल और अजय देवगन नहीं चाहते हैं कि न्यासा की पढ़ाई पर कोई असर पड़े। इसके अलावा वे कोरोना महामारी के बीच न्यासा को पढ़ने के लिए सिंगापुर में अकेला नहीं छोड़ना चाहते हैं, इसलिए अब काजोल, न्यासा के साथ न्यूयॉर्क में रहेंगी। सुशांत सिंह राजपूत के इस टैलेंट के बारे में नहीं जानते होंगे आप, बहन श्वेता ने शेयर किया थ्रोबैक वीडियो काजोल वहां पर कुछ महीने बेटी न्यासा के साथ बिताएंगी। इसके लिए अजय देवगन ने सिंगापुर में एक अपार्टमेंट भी खरीदा है ताकि काजोल और न्यासा को रहने में कोई परेशानी न हो।

साथ निभाना साथिया 2 का प्रोमो हुआ रिलीज, गोपी बहू के रोल में दिखीं देवोलीना भट्टाचार्जी

मुंबई में बेटे युग के साथ रहेंगे अजय देवगन

दूसरी तरफ, अजय देवगन बेटे युग के साथ मुंबई में टाइम स्पेंड करेंगे। इसके साथ ही वह अपना काम भी करेंगे। रिपोर्ट के मुताबिक अजय देवगन 2 स्क्रिप्ट पर काम कर रहे हैं। इसके लिए अलावा वह अपनी अगली फिल्म के पोस्ट-प्रोडक्शन के काम में व्यस्त हैं। पिछली बार अजय देवगन फिल्म तान्हाजीः द अनसंग वॉरियर में नजर आए थे। इसमें उनके अपोजिट काजोल ने काम किया था। फिल्म में सैफ अली खान विलेन की भूमिका निभाई थी। अजय देवगन के आगामी प्रोजेक्ट्स में मैदान, कैथी रीमेक, गोलमाल 5, भुजः द प्राइड ऑफ इंडिया जैसी फिल्में शामिल हैं।

सुशांत सिंह राजपूत को न्याय दिलाने की मुहीम लंदन में भी उठी, एक्टर की तस्वीरें वैन पर दिखी

भारत के अलावा विदेशों में भी दिवंगत बॉलीवुड एक्टर सुशांत सिंह राजपूत को न्याय दिलाने की मुहीम इस समय चल रही है। ऐसा ही एक नजारा लंदन की सड़कों पर दिखाई दिया जिसकी तस्वीरें और वीडियो एक्टर की बहन श्वेता सिंह कीर्ति ने इंस्टाग्राम पर साझा की हैं। इन तस्वीरों को देख कर यह पता लगता है कि सिर्फ भारत में ही नहीं दुनिया भर में सुशांत सिंह राजपूत के फैंस हैं जो उनको चाहते हैं। इससे साफ हो गया कि न्याय दिलाने की मुहीम लंदन में उनके फैंस कर रहे हैं। दुनिया भर में सुशांत केस पर इस समय सबकी निगाहें टिकी हुई है। इंस्टाग्राम पर लंदन की सड़कों की यह तस्वीरें और वीडियो श्वेता सिंह कीर्ति ने इंस्टाग्राम पर साझा की हैं। इन तस्वीरों और वीडियो में ग्लोबल प्रेयर मीट की बात भी सुशांत के लिए लिखी है। वीडियो में देख सकते हैं कि सुशांत ही एक ट्रक के चारों तरफ लगी हुई स्क्रीन पर दिखाई दे रहे हैं। इस तस्वीर के साथ लिखा है, ऐसा ही नजारा कैलिफोर्निया की सड़कों पर भी देखा गया था और उसे सोशल मीडिया पर सुशांत के फैंस के लिए श्वेता ने साझा किया था। सुशांत की ऐसी ही तस्वीरें सड़कों पर लगे होर्डिंग्स और दुकानों के बिलबोर्ड पर थीं और यही बातें भी लिखी हुई थीं। सुशांत सिंह राजपूत मुंबई अपने घर पर 14 जून को मृत पाए गए थे। उस दौरान मुंबई पुलिस ने कहा था कि सुशांत डिप्रेशन में थे और उन्होंने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली थी। लेकिन उसके बाद सुशांत के पिता ने बिहार पटना में एक्ट्रेस रिया चक्रवर्ती के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराई इसमें उन्होंने कहा था कि उनके बेटे को खुदखुशी के लिए उकसाया गया। इसके अलावा की सारे गंभीर आरोप भी लगाए। इसके बाद मुंबई पुलिस और बिहार पुलिस दोनों इस केस की जांच में आ गयी लेकिन इसी दौरान केंद्र सरकार ने सीबीआई की जांच इस मामले की सौंप दी। वही सुप्रीम कोर्ट ने भी सीबीआई को यह केस सौंप दिया।

सैफ अली खान और अर्जुन कपूर हॉरर कॉमेडी के लिए मिलाया हाथ

बॉलीवुड की हॉरर कॉमेडी फिल्मों में अब तक श्रद्धा कपूर और राजकुमार राव की स्त्री अब तक की सबसे सफल रही है। हाल ही में फिल्म ने 31 अगस्त को दो साल पूरे किए और सोशल मीडिया फिल्म की सफलता का जश्न मनाया। और इसी बीच खबरें आ रही हैं कि बॉलीवुड सैफ अली खान और अर्जुन कपूर ने अपकमिंग हॉरर कॉमेडी के लिए हाथ मिला लिया है। मुंबई मिरर की ताजा रिपोर्ट के अनुसार, अर्जुन कपूर और सैफ अली खान इस हॉरर कॉमेडी में भूत-प्रेत की भूमिका निभाएंगे, जिसे भूत पुलिस नाम दिया गया है। दोनों स्टार्स की इस फिल्म का निर्देशन पवन कृपलानी करेंगे। इससे पहले पवन ने रागिनी एमएमएस जैसी फिल्मों में काम किया है। एक सूत्र ने पोर्टल को बताया, सैफ और अर्जुन फिल्म में भूतों की एक जोड़ी की भूमिका निभाते दिखाई देंगे। रमेश तूरानी और अक्षय पुरी द्वारा निर्मित फिल्म इस साल के अंत तक फ्लोर पर जाएगी। फिल्म निर्देशक पवन कृपलानी ने कहा कि दोनों एक अलग अवतार में नजर आएंगे। हम इस डरावना साहसिक-कॉमेडी को लाने के लिए उत्साहित हैं और सैफ और अर्जुन के टीम में शामिल होने से वास्तव में खुश हैं क्योंकि वे इस मनोरंजन के लिए एकदम फिट हैं। दोनों ही बहुत अलग अवतार में दिखाई देंगे और अपने ट्रेडमार्क ह्यूमर को लाएंगे। सैफ अली खान ने इस साल की शुरुआत सुपरहिट फिल्म तन्हाजीः द अनसंग वारियर से की थी। इस फिल्म में सैफ अली खान के साथ अजय देवगन, काजोल और शरद केलकर जैसे कई कलाकार मुख्य भूमिका में मौजूद थे। इसके बाद सैफ जवानी जानेमन में एक मिड ऐज प्ले बॉय के किरदार में नजर आये थे। इन दोनों फिल्मों के अलावा सैफ को आखिरी बार दिवंगत अभिनेता सुशांत सिंह राजपूत की आखिरी फिल्म दिल बेचारा में कैमियो करते देखा गया था।

अजय देवगन की अपकमिंग सीरीज लूथर के हिंदी रीमेक में रेड एक्ट्रेस इलियाना डिक्रूज आएंगी नजर

बॉलीवुड अभिनेता सैफ अली खान और सोनाक्षी सिन्हा के बाद अब सिंघम स्टार अजय देवगन अपना डिजिटल डेब्यू करने के लिए पूरी तरह तैयार हैं। कोरोना वायरस के बढ़ते प्रकोप के बाद सरकार ने अभी भी सिनेमाघरों को खोलने के आदेश नहीं दिए हैं, ऐसे में ज्यादातर स्टार्स दर्शकों को ज्यादा इंतजार ना कराते हुए अपनी फिल्मों को डिजिटल प्लेटफॉर्म पर रिलीज कर रहे हैं। हालांकि, इस बीच कई स्टार्स अपने अपकमिंग प्रोजेक्ट्स पर भी काम कर रहे हैं। हाल ही में अजय देवगन ने एक शो के लिए साइन किया है, जिसे वे हिंदी में रीमेक कर रहे हैं। अजय देवगन जल्द ही इदरीस एल्बा की वेब सीरीज लूथर के हिंदी रीमेक में नजर आएंगे। पिंकविला की एक रिपोर्ट्स के मुताबिक, अजय पहले ही प्रोजेक्ट को साइन कर चुके हैं और मेकर्स शो के लिए एक एक्ट्रेस की तलाश में थे। पोर्टल से जुड़े सूत्रों के मुताबिक, पूरी टीम किसी ऐसे इंसान को चाहती थी जिसके पास एक पॉवरफुल स्क्रीन मौजूद हो और वे पहले से ही इलियाना डिक्रूज के साथ बातचीत कर रहे थे। यह इलियाना की भी पहली वेब सीरीज होगी, अगर वह इसके लिए हां कहती है। इलियाना और अजय की जोड़ी पहले से दर्शकों के बीच मशहूर है, इसलिए सभी संभावनाओं पर वह साइन करेगी। इस शो में दो प्राथमिक भूमिकाएं हैं। एक ऐलिस मॉर्गन का है, जिसे रुथ विल्सन ने चित्रित किया है और लूथर की पत्नी जोय लुथेर जो कि इंदिरा वर्मा द्वारा निभाया गया है। हालांकि, अभी यह कन्फर्म नहीं हुआ है कि कौन किस रोल में नजर आएगा। पोर्टल के सूत्र ने कहा, इलियाना की टीम वर्तमान में तौर-तरीकों पर चर्चा कर रही है। वह सीरीज में अजय की पत्नी की भूमिका निभाने वाली हैं। अजय और इलियाना ने पहले भी बादशाहों और रेड जैसी फिल्मों में स्क्रीन स्पेस साझा किया है और इलियाना भी अजय के अगले प्रोडक्शन वेंचर द बिग बुल में मुख्य भूमिका निभाती हैं जो जल्द ही डिजिटल प्लेटफॉर्म पर रिलीज होगी।